● जयपुर, शनिवार 21 दिसंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 123 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार
"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 उप महानिरीक्षक पुलिस जयिप्रा कैलाश चन्द बिश्नोई के नेतृत्व और कुशल निर्देशन में...
पेज @4 मुख्यमंत्री की नीमराना के जापानी जोन में उद्यमियों के साथ बैठक ...
पेज @8 शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने फूंका अमित शाह का पुतला,कांग्रेस जन में दिखा रोष...

अलसुबह धमाकों से दहल उठा जयपुर-अजमेर हाईवे, मचा कोहराम चीख-पुकार और अफरा-तफरी मची

एलपीजी टैंकर धधका, 11 जिंदा जले 35 लोग झुलसे, 40 वाहन जलकर राख हुए

भांकरोटा में डीपीएस स्कूल के पास कट से यूटर्न लेते गैस टैंकर को तेज स्पीड ट्रक ने मारी टक्कर

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) अजमेर हाईवे पर भांकरोटा में दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास कट पर शुक्रवार सुबह एलपीजी टैंकर में हुए ब्लास्ट 11 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि 35 से अधिक लोगों को गंभीर गलत में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहा उनका इलाज चल रहा है। हादस इतना भयानक था कि उसने करीब 40 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें एक स्लीपर बस भी शमिल है, जो टैंकर के पीछे चल रही थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दर्जनों गड़ियां घटनास्थल और उसके आसपास इलाके में आग बुझाती रही। जानकारी के अनुसार एलपीजी टैंकर में हुआ ब्लास्ट इतना भयंकर था कि आग की लपटें करीब दो फीट ऊपर उठी और टैंकर में भरे करीब 32 टन गैस जोरदार धमाके के साथ उछलकर घटनास्थल के आसपास के वाहनों पर गिरा, जिसमें वें जलकर रख हो गए। इसके साथ ही आसमान में उड़ रहे कई पक्षी भी जल गए। इस भीषण हादसे का पता चलते ही तबाह होने से बच गया भांकरोटा, महापुरा व बगरू क्षेत्रडीपीएस कट पर जहां यह हदसा हुआ है उसके सौ मीटर एक ओर 18 टन एलपीजी गैरा से भरा टैंकर था। उसके आगे ट्रक खड़ा था। हाइवे के दोनों साइड 200 मीटर पर दो पेट्रोलपंप थे, मगर समय रहते इनको सेफ कर लिया है।

पांच लोगों ने एसएमएस में इलाज के दौरान तोड़ा दम

इस भीषण हादसे के बारे में एसएमएन मेडिकल कॉलेज के प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर आरके जैन ने बताया कि 32 लोग दुर्घटनाग्रस्त हुए थे। इनमें से 15 लोग जो 50 फीसदी ने ज्यादा झुलसे थे। इलाज के दौरान पांच की मौत हो गई, जबकि 5 लोग मृत लाए गए थे। एक ने जयपुरिया हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया।

मुख्यमंत्री बोले-हादसे की होगी विस्तृत जांच

जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग के दुखदायक घटनाक्रम के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिगा और सहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम भजनलाल शमां ने कहा कि मैं अस्पताल जाकर भी आया हूं जहां मैंने अस्पताल के सभी अधिकारियों को तुरंत इलाज के निर्देश दिए हैं। सरकार इस घटना के संबंध में जो बन पडेगा वो करेगीए इलाज में भी हम सहयोग करेंगे। जो इस घटना में हताहत हुए हैं उन सभी के परिजनों को ईश्वर शक्ति दें। इस विषय की विस्तृत जांच होगी। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों 5-5 लाख और गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।प्रधानमंत्री मोदी ने किया

मुआवजे का ऐलान

भीषण हादने पर प्रधानमंत्री ने गहरा दुख जताते हुए हर मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।राष्ट्रपति ने जताया दुख सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दुख जताया। राष्ट्रपति ने कहा कि जयपुर में हुई सड़क दुर्घटना के कारण अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है।

भांकरोटा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुखद टैंकर हादसा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिखाई संवेदनशीलता, घटनास्थल का लिया जायजा

- एसएमएस अस्पताल पहुंचकर घायलों के उचित इलाज के दिये आवश्यक दिशा-निर्देश
- मृतकों के परिवार एवं गंभीर घायलों को सहायता राशि की घोषणा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी),20 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा में हुए टैंकर हादसे में घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से सम्पूर्ण घटनाक्रम की जानकारी ली तथा अधिकारियों को त्वरित सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां चल रहे राहत बचाव कार्यों का भी निरीक्षण किया।इस दौरान शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। राज्य सरकार इसकी उचित जांच करवाएगी। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।मुख्यमंत्री सुबह सबसे पहले घायलों की जानकारी लेने के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। शर्मा ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर एवं अस्पताल प्रशासन को सभी घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने की आर्थिक सहायता राशि की घोषणामुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुखद टैंकर हादसे में संवेदनशीलता दिखाते हुए राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिवार को 5 लाख रुपये एवं गंभीर घायलों को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। पुलिस हेल्पलाइननंबर- 9166347551, 8764688431, 7300363636

शीतकालीन सत्र > लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एक देश-एक चुनाव से जुड़ा विधेयक जेपीसी को भेजा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आज लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच एक देश-एक चुनाव से जुड़ा 129 वां संविधान संशोधन विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे शुरू होते ही विपक्ष ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर शोर-शराबा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य सदन के बीचों बीच पहुंच गए। इस दौरान सदन के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित थे। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच केंद्रीय कानूनमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान संशोधन विधेयक को संसद की संयुक्त कार्य समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा। हंगामे के बीच प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर सदन की अनुमति प्रदान की गई। जेपीसी में 27 सदस्य हैं। इनमें से 12 राज्यसभा से हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस दौरान सदस्यों को संसदीय परंपराओं और गरिमा का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने सदस्यों को चेताया कि संसद परिसर धरना या प्रदर्शन के लिए नहीं है। ऐसा करने पर कार्यवाही भी की जा सकती है। इसके बाद वंदेमातरम के साथ ही कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, सत्र की उत्पादकता मात्र 40 प्रतिशत

नई दिल्ली। आंबेडकर और सांसदों के बीच हुई धक्का मुक्की के मुद्दे को लेकर हंगामे के बीच शुक्रवार को राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। शुक्रवार को सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। सभापति जगदीप धनखड़ ने पहले सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित की। उसके बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के लिए राज्यसभा के 12 सांसद को नामित किया गया।

इनमें सांसद घनश्याम तिवाड़ी, भुवनेश्वर कलिता, के. लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल बालकृष्ण वासनिक, साकेत गोखले, पी. विल्सन, संजय सिंह, मानस रंजन मंगराज और वी. विजयसाई रेड्डी शामिल हैं। इस सप्ताह के शुरूआत में लोकसभा से 27 सदस्यों को जेपीसी के लिए नामित किया गया था।

शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने सभा के शीतकालीन सत्र में अपने समापन भाषण में कहा कि संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस सत्र का समापन करते हुए हमें गंभीर चिंतन का क्षण देखना पड़ रहा है। ऐतिहासिक संविधान सदन में संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि करना था लेकिन इस सदन में हुए कार्य एक अलग कहानी बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सत्र की उत्पादकता मात्र 40.03 प्रतिशत है, जिसमें केवल 43 घंटे और 27 मिनट ही प्रभावी कामकाज हुआ।

उन्होंने कहा कि सांसदों के रूप में हम भारत के लोगों से कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही में लगातार व्यवधान हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता के विश्वास को लगातार कम कर रहे हैं। इस सत्र में तेल क्षेत्र संशोधन विधेयक और बॉयलर्स विधेयक 2024 पारित किया गया और भारत-चीन संबंधों पर विदेश मंत्री का बयान सुना लेकिन इन उपलब्धियों से कहीं ज्यादा इस सदन की विफलताएं रही हैं।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का निधन

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला का शुक्रवार को 93 साल की उम्र में निधन हो गया। घर में तबियत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लोग एंबियंस मॉल के पीछे स्थित उनके आवास पर पहुंचने लगे हैं।

भारत के उप-प्रधानमंत्री रहे चौधरी देवीलाल के राजनीतिक वारिस ओमप्रकाश चौटाला अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। ओमप्रकाश चौटाला चार बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। पहली बार उन्होंने दो दिसंबर 1989 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनथा यह कार्यकाल 171 दिनों का रहा। वे 12 जुलाई 1990 को फिर से हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। इस बार मात्र पांच दिन ही वे इस पद पर रहे।

विश्व ध्यान दिवसः आत्म-साक्षात्कार और विश्व शांति की ओर एक कदम

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर से विश्व ध्यानदिवस मनाने की घोषणा एक ऐतिहासिक कदम है। दरअसल मेडिटेशन याध्यान को सदियों से केवल आध्यात्म से जोड़ कर देखा जाता था। लेकिन आज विज्ञान ने यहसिद्ध कर दिया है कि मेडिटेशन का सकारात्मक प्रभाव केवल मानव के मन या मस्तिष्क हीनहीं उसके तन पर भी पड़ता है। इसलिए 21 जून को योग दिवस मनाए जाने के बाद सम्पूर्ण विश्व में अब 21 दिसंबर को ध्यान दिवस केरूप में मनाने का उद्देश्य योग की हीभांति ध्यान को जन-जन तक पहुंचाना और इसे मानव जीवन के अभिन्न अंग के रूप मेंस्थापित करके एक स्वस्थ विश्व की नींव मजबूत करना है।

वर्तमान युग में जब मनुष्य तेजी से भागदौड़ औरतनावपूर्ण जीवन जीने के लिए विवश है, ध्यान उसके मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित करने का एक सहज, सरल प्राकृतिक साधन बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन केअनुसार, मानसिक स्वास्थ्य सेजुड़ी समस्याएं आज वैश्विक स्तर पर प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन गईहैं। वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 280 मिलियन लोग मानसिक रूपसे पीड़ित हैं और 40% युवा तनाव और मानसिकअस्थिरता का सामना कर रहे हैं। खास बात यह है कि ध्यान, एक साधारण लेकिनशक्तिशाली प्रक्रिया, इन समस्याओं का प्रभावीसमाधान प्रदान कर सकती है। अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि ध्यान मस्तिष्क मेंडोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे सकारात्मक रसायनों के स्तर को बढ़ाता है, जो तनाव को कम करते हैंऔर मूड को स्थिर रखते हैं।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, केवल आठ सप्ताह के ध्यानअभ्यास से मस्तिष्क के ग्रे मैटर में वृद्धि देखी गई, जो सीखने, याददाश्त और भावनात्मकविनियमन में सहायक है। इस प्रकार विभिन्न शोधों में यह बात वैज्ञानिक आधार परसिद्ध हो चुकी है कि ध्यान केवल मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति का साधन नहीं है, बल्कि नियमित रूप से इसकाअभ्यास उसके जीवन के हर पहलू को समृद्ध कर सकता है। ध्यान के वैज्ञानिक आधार को समझने के लिए न्यूरोसाइंस मेंकिए गए शोधों पर ध्यान देना आवश्यक है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में किए गए एक अन्यअध्ययन में यह पाया गया कि नियमित ध्यान मस्तिष्क के अमिगडाला (जो भय और तनाव काकेंद्र है) की गतिविधि को कम करता है, जिससे व्यक्ति तनावपूर्ण स्थितियों में भी शांत और संतुलितबना रहता है। ध्यान के इन वैज्ञानिक लाभों को अब विभिन्न चिकित्साक्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र अब ध्यान को मानसिकस्वास्थ्य उपचार का हिस्सा बना रहे हैं। कैंसर, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित रोगियोंके लिए ध्यान को सहायक चिकित्सा के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। जर्नल ऑफक्लिनिकल साइकॉलजी में प्रकाशित एक अध्ययन में यह पाया गया कि ध्यान से न केवलमरीजों के दर्द की अनुभूति कम होती है, बल्कि उनमें इलाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसितहोता है। ध्यान का प्रभाव केवल मानसिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहींहै। शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान के प्रभाव को भी अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जारहा है। एक अध्ययन के अनुसार, ध्यान नियमित रूप से करने से हृदय की गति और रक्तचाप कोनियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। इसके अलावा, ध्यान प्रतिरक्षा प्रणालीको भी मजबूत करता है, जिससे शरीर बीमारियों सेलड़ने में अधिक सक्षम बनता है।

इतना ही नहीं रिसर्च में यह बात भी सामने आई कि ध्यान काप्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं होता। जब एक व्यक्ति ध्यान करता है, तो वह अपनी आंतरिक ऊर्जाको सकारात्मक दिशा में केंद्रित करता है, जिसका असर उसके आस-पास के वातावरण पर भी पड़ता है। कई अध्ययनोंने यह साबित किया है कि सामूहिक ध्यान के दौरान अपराध दर में गिरावट, सामाजिक सौहार्द मेंवृद्धि और पर्यावरणीय सामंजस्य जैसे सकारात्मक परिवर्तन देखे गए हैं। 1993 में वाशिंगटन डी.सी. मेंकिए गए एक शोध में पाया गया कि सामूहिक ध्यान के दौरान शहर में अपराध दर में 23% की गिरावट आई। मेडिटेशन जैसे एक सरल माध्यम से मानवीय आचरण में इस प्रकारके मूलभूत बदलाव इसकी वैज्ञानिकता (मनोवैज्ञानिकता) का प्रमाण है। मेडिटेशन के इन्हीं सकारात्मक प्रभावों को देखते हुए आजकॉर्पोरेट कल्चर वाली कई मल्टिनैशनल कंपनियां अब ध्यान को अपनी कार्य संस्कृति मेंशामिल कर रही हैं। गूगल, एप्पल, और माइक्रोसॉफ्ट जैसीप्रमुख कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए नियमित ध्यान सत्र आयोजित कर रही हैं। आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में हमारे बच्चे भी पढ़ाई मेंअपने प्रदर्शन को लेकर तनाव में रहते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि जो छात्र नियमितरूप से ध्यान करते हैं, उनकी एकाग्रता, स्मरणशक्ति और भावनात्मकसंतुलन में सुधार होता है। भारतीय विद्यालयों में किए गए एक पायलट प्रोजेक्ट मेंपाया गया कि ध्यान के नियमित अभ्यास से बच्चों की परीक्षा में प्रदर्शन में 20% तक सुधार हुआ। हालांकि, ध्यान के महत्व को समझने और इसे अपने जीवन में शामिल करनेके लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। अभी भी दुनिया की 60% से अधिक आबादी ध्यान केलाभों और इसकी प्रक्रिया से अनभिज्ञ है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा विश्वध्यान दिवस मनाने का यह निर्णय निश्चित ही वैश्विक स्तर पर लोगों में मेडिटेशन केफायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। निस्संदेहयह प्रयास एक स्वस्थ एवं समर्द्ध विश्व की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिंताजनक

ललित गर्ग

संविधान-निर्माता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मर्यादा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले

नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुई। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मर्यादाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है। सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मर्यादा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मर्यादा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं। दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

ज्ञानेंद्र कुमार : कला की त्रिवेणी

राम प्रताप मिश्र साकेती

मूर्त और अमूर्त चित्रण-दोनों विधाएं कला के क्षेत्र में विशेष महत्व रखते हैं। परंपरागत से आधुनिक कला तक में पारंगत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार ज्ञानेंद्र कुमार उत्तराखंड की पहचान हैं। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के मुख्य कलाधिकारी पद से सेवानिवृत्त ज्ञानेंद्र कुमार चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला की त्रिवेणी के रूप में उत्तराखंड की कीर्ति विश्व भर में फैला रहे हैं। ज्ञानेंद्र कुमार का जन्म 1 जून 1941 को हुआ था। ज्ञानेंद्र कुमार हिन्दी, अंग्रेजी और बांग्ला तीनों भाषाओं के अच्छे जानकार हैं और तीनों भाषाओं में साहित्य रचना का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही साथ कला को व्यावसायिक रूप से जन सामान्य में प्रस्तुत करना उनकी विशिष्टता है। 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आयी बाढ़ तथा इस विविषिका पर बनी उनकी लंबी कलाकृति वर्षों तक चर्चा का विषय रही है। ज्ञानेंद्र कुमार ने एमए दर्शनशास्त्र करने के बाद विश्व भारतीय विश्वविद्यालय शांति निकेतन से ललितकला का डिप्लोमा प्राप्त कर अपनी कला साधना प्रारंभ की। वन अनुसंधान संस्थान के मुख्य कलाधिकारी रहते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ललित कला ग्रीष्म अकादमी, आस्ट्रिया में अमूर्त चित्रकला संगोष्ठी में भाग लिया। मूर्तिकला एवं चित्रकला की नई संभावनाओं पर अध्ययन हाईवैकम कॉलेज आफ आर्ट टैक्नोलॉजी इंग्लैण्ड से उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया। विश्वविख्यात वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में मुख्य चित्रकला अधिकारी (वर्ष 1965 से 2001 तक) रहते हुए उन्होंने संस्थान को कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां देने का काम किया और वैज्ञानिक वानिकी में कला का योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशेष कार्य किया। उनके इन्हीं महत्वपूर्ण कृत्यों के कारण उन्हें उत्तरांचल कला परिषद उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया जहां उनका लक्ष्य है कि वह उत्तराखण्ड में आधुनिक कला प्रवृत्तियों से कला प्रेमियों को परिचित कराने के साथ साथ प्रदर्शिनियां के माध्यम से लोगों को जागृत कर रहे हैं।

ज्ञानेंद्र कुमार के चित्रों और मूर्तियों का मुख्य विषय नारी संसार रहा है। उनके कई चित्रों को विशेष सम्मान मिला है,जिसमें उलझन नामक चित्र में नारी को पीले और कत्थई रंग से घूमती हुई तूलिका से उकेरा गया है जो अपने आप में विशेष है। इसी तरह अमूर्त चित्रण में प्रकाश की ओर कृति में चित्रकार ने प्रकाशीय रंगों का अद्भुत प्रयोग किया है। चित्र दुआ में चित्रकार ने समुद्री नीले रंगों का सार्थक उपयोग किया है।

विश्वभारती शांति निकेतन से शिक्षा प्राप्त प्रख्यात चित्रकार, मूर्तिकार, संगीतकार एवं साहित्यकार, बहुमुखी प्रतिभा के धनी ज्ञानेंद्र कुमार अपनी कला के बल पर जिन विशिष्ट विभूतियों का आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं उनमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा, राजीव गांधी, उपराष्ट्रपति डॉ. बीडी जत्ती, डा. भगवत शरण उपाध्याय, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, रानी एलिजाबेथ तथा जार्ज बुश शामिल हैं। देश-विदेश में अपनी कला प्रदर्शनियों तथा संगीत संध्या के माध्यम से ज्ञानेंद्र कुमार ने लोगों का दिल जीता है। जिन प्रमुख स्थलों पर ज्ञानेंद्र कुमार की कला प्रदर्शनियां आयोजित की गई हैं उनमें भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद नई दिल्ली का नाम प्रमुख है। यहां निर्भयाकांड के समय ज्ञानेंद्र कुमार की नारी सशक्तिकरण पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनी का सम्मान हुआ। संचार माध्यमों में इसका विशेष प्रसारण हुआ। ज्ञानेंद्र कुमार के कला जीवन पर आधारित साक्षात्कार दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रसारित होते रहते हैं। उनके प्रभात गीत कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गाए जाते हैं। ज्ञानेंद्र कुमार ने एक साक्षात्कार के दौरान बताया कि वे चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला के माध्यम से समाज को प्रेरित करते हैं। जो बात सीधे नहीं कही जा सकती वह चित्रों और कला के माध्यम से आसानी से व्यक्त की जा सकती है। ज्ञानेंद्र कुमार मानते हैं कि समाज में लगातार परिवर्तन हो रहा है। यह विकास और परिवर्तन कई मायनों में अनूठा है लेकिन यह भी सच है कि आज लोगों को कला, साहित्य और मूर्तिकला क्षेत्र के बारे में न तो जानकारी प्राप्त करने का समय है और न ही लोग इस क्षेत्र में अभिरुचि रखते हैं जबकि कला संसार ही जीवन का यथार्थ स्वरूप है। कला के बिना यह संसार आधूरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कला में अभिव्यक्ति की प्रधानता होती है। भारतीय कलाकार वा' सौंदर्य की अपेक्षा आंतरिक भावों के अंकन में अपने मन को अधिक लगाते हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में वजूद बचाने की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस

मनोज कुमार मिश्र

करीब दो महीने बाद होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपने वजूद बचाने के लिए हर प्रयास करती दिख रही है। आम आदमी पार्टी (आआपा) संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कांग्रेस के साथ विधानसभा चुनाव में तालमेल न करने के ऐलान के बाद कांग्रेस ने भी अपने दम पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। इतना ही नहीं आआपा के तरह चुनाव की तारीख घोषित हुए बिना 70 में से 21 सीटों पर अपने मजबूत उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। उसमें अरविंद केजरीवाल के सामने नई दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया गया है। अभी तक यही माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार मुकाबला आआपा और भाजपा के बीच ही मुख्य रूप से होगा। सालों तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस 2013 यानी आआपा के वजूद में आने के बाद से ही लगातार हाशिए पर सिमटती जा रही है। लगातार 15 साल दिल्ली की मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित 2013 का विधानसभा चुनाव न केवल खुद हारी बल्कि कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट और केवल आठ सीटें मिली। 2015 के विधानसभा चुनाव में उसे कोई सीट नहीं मिली और उसका वोट औसत घटकर 9.71 फीसद रह गया। इतना ही नहीं उसे 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे केवल 4.26 फीसद वोट मिले।

अभी 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का आआपा से सीटों का तालमेल था। सात में से तीन सीटें कांग्रेस और चार आआपा लड़ी। चुनाव में सभी सातों सीटों पर लगातार तीसरी बार भाजपा जीती। कांग्रेस को 18.50 फीसद वोट मिले। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थक वोटों पर दिल्ली में राज कर रही आआपा को लग रहा है कि उसके साथ तालमेल करने से कांग्रेस मजबूत हो जाएगी और देर-सबेरे आआपा को ही नुकसान पहुंचाएगी। वैसे आआपा के लिए यह तो खतरा बना ही हुआ है कि अगर कांग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ी तो आआपा को ही नुकसान पहुंचाएगी और इससे भाजपा को फायदा होगा। अब यह सार्वजनिक हो गया है कि जिस आआपा को कांग्रेस ने भाजपा के मध्यमवर्गीय लोगों का समर्थन लेकर भाजपा को कमजोर करने के लिए तन-मन और धन से सहयोग किया था,उसी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले कमजोर वर्गो,अल्पसंख्यक और पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड आदि के मूल निवासी) के प्रवासियों को अपना स्थाई वोटर बना लिया। 2013 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली के अल्पसंख्यकों ने गलतफहमी में कांग्रेस को वोट दिया। तब उन्हें लगा कि भाजपा को कांग्रेस हरा रही है। उसके बाद के दोनों चुनावों में इस वर्ग ने आआपा को वोट किया। कांग्रेस इस चुनाव में इस वर्ग को अपने साथ लाने के प्रयास में लगी हुई है। कट्टर धार्मिक छवि वाले उत्तराखंड के मंगलोर के विधायक काजी निजामुद्दीन दिल्ली के प्रभारी,राजस्थान के पूर्व विधायक दानिश अबरार सह प्रभारी और टिकटों की छानबीन समिति में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन के साथ सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद हैं। दिल्ली में मुस्लिम आबादी अब 12 से बढ़कर अब 15 फीसद से ज्यादा हो गई है। 70 में से 17 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 फीसद से ज्यादा हैं। इनमें सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमरान, ओखला, मुस्तफाबाद, किराड़ी, चांदनी चौक, गांधीनगर, करावल नगर, विकास पुरी, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, बाबरपुर, मोतीनगर, मालवीय नगर, सीमापुरी और छत्तरपुर शामिल हैं। इसी तरह 12 अनूसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी कांग्रेस ने पूरी तैयारी की है। दलितों में कांग्रेस का कुछ असर अब भी बचा है। पूर्वांचल के प्रवासी दिल्ली में सालों कांग्रेस का साथ देकर उसे सत्ता दिलाते रहे। दिल्ली के 70 में से 42 सीटों पर पूरबियों(पूर्वांचल के प्रवासी) का वोट 20 फीसदी से ज्यादा है। यह तीनों और दिल्ली के गांव का एक वर्ग अगर कांग्रेस से जुड़ जाए तो उसके पुराने दिन लौट आ जाएंगे। कांग्रेस के पास आज की तारीख में कोई बड़ा पूरबिया नेता न होने से उसकी फिर से इस वर्ग में पैठ होने में कठिनाई हो रही है। जो गलती 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने किया,वह दोहराना नहीं चाहती। तब उम्मीदवार कमजोर नहीं थे लेकिन जयप्रकाश अग्रवाल के अलावा दोनों पार्टी में नए थे। इसके चलते पार्टी में भारी विद्रोह हो गया था। कांग्रेस के नेता चतर सिंह कहते हैं कि जो पद पाने के लिए दूसरे दलों में गए उनमें काफी को निराशा हाथ लगी है और बाकी की भी वही गति होनी है। अब ऐसा कुछ होनेवाला नहीं है। 2006 के परिसीमन में पूर्वी दिल्ली सीट दो हिस्सों में (पूर्वी दिल्ली और दिल्ली उत्तर पूर्व) बंटी। उससे पहले पूर्वी दिल्ली सीट से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित सांसद थे जो परिसीमन के बाद 2009 में उसकी एक सीट से सांसद बने और 2014 में पराजित हुए। 2019 में पूर्वी दिल्ली की दूसरी सीट दिल्ली उत्तर पूर्व से उनकी मां और दिल्ली की 15 साल मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित चुनाव लड़ी और पराजित हुई। शीला दीक्षित 2019 में आआपा से समझौते का विरोध किया तो उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के साथ जबरन लोकसभा चुनाव लड़वाया गया। सत्ता सुख भोगने की आदत पड़ जाने के चलते एक चुनाव की हार ने कांग्रेस को संकट में ही ला दिया। अपनी चिंता में लगे नेताओं ने पार्टी को हाशिए पर ला दिया। 2013 विधानसभा चुनाव की हार के बाद पार्टी बिखरती गई। 2015 के चुनाव के समय प्रदेश अध्यक्ष थे अरविंद सिंह लवली और मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बना दिया गया अजय माकन को। इससे नाराज लवली ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष बने अजय माकन 2019 के लोक सभा चुनाव में आआपा से तालमेल की मुहिम चलाई। बताया गया कि कांग्रेस का एक वर्ग सात में से दो सीटों पर भी समझौता करने को तैयार हो गया था। जिस पार्टी ने कांग्रेस को हाशिए पर पहुंचाया उससे समझौता करने का शीला दीक्षित ने भारी विरोध किया। समझौता न होने पर भारी मन से अजय माकन नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़कर हारे। वे भी बिना प्रदेश अध्यक्ष तय हुए बीमारी के बहाने प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी छोड़ दी। 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए पहले बिहार मूल के नेता कीर्ति आजाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाना तय किया गया। वे पहले भाजपा के दिल्ली से विधायक और बिहार से सांसद थे। अचानक वरिष्ठ नेता सुभाष चोपड़ा को अध्यक्ष और आजाद को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बना दिया गया। गुटबाजी में आजाद अलग-थलग हो गए,उन्हें दिल्ली कांग्रेस दफ्तर में नियमित बैठने के लिए कमरा तक नहीं दिया गया। बाद में चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर लोकसभा के सदस्य बन गए। उस विधानसभा चुनाव के कुछ समय बाद कांग्रेस के पूर्वांचल के सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे पूर्व सांसद महाबल मिश्र भी कांग्रेस छोड़कर आआपा में शामिल हो गए। इस बार आआपा ने उन्हें पश्चिमी दिल्ली से लोक सभा उम्मीदवार बनाया। उनके पुत्र विनय मिश्र पहले से ही आआपा में शामिल होकर विधायक और दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष बने हुए हैं। इस बार भी विधानसभा चुनाव में आआपा ने विनय मिश्र को उम्मीदवार बनाया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली और कांग्रेस का वोट औसत घटकर पांच से नीचे हो गया। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद जुलाई में शीला दीक्षित के निधन के बाद चौधरी अनिल कुमार प्रदेश अध्यक्ष बने। लवली थोड़े ही समय भाजपा में रहकर कांग्रेस में लौट आए और 2019 का लोक सभा चुनाव पूर्वी दिल्ली सीट से मजबूती से लड़े। उन्हें 2023 में अनिल कुमार के इस्तीफा देने पर दोबारा अध्यक्ष बनाया गया था लेकिन 2024 के लोक सभा चुनाव में टिकटों के बंटवारे में अपनी भूमिका न होने से नाराज होकर उन्होंने फिर कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन पकड़ लिया। उसी दौरान बड़ी तादाद में कांग्रेस के अनेक नेता भाजपा में शामिल हुए।

आआपा ने भले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से समझौता किया लेकिन आज भी आआपा कांग्रेस को गंभीरता से नहीं ले रही। जबकि अब हालात दूसरे हैं। कट्टर ईमानदार होने का मंत्र जपने वाले आआपा नेता अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी शराब घोटाले में फंसी हुई है। उनके लोगों पर कई और भ्रष्टाचार के आरोप लगे और कई नेताओं को जेल जाना पड़ा। 2011 में भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजसेवी अण्णा हजारे के आंदोलन में शामिल अनेक लोगों ने 26 अक्तूबर,2012 को आआपा के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ना तय किया। वैसे अण्णा हजारे ने राजनीतिक पार्टी बनाने का विरोध किया था। पहले ही चुनाव में बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाले विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती। दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ केवल आठ सीटें मिली। माना गया कि दिल्ली का अल्पसंख्यक भाजपा को हराने वाले दल का सही अनुमान लगाए बिना कांग्रेस को वोट दिया था। अगले चुनाव में अल्पसंख्यक आप से जुड़ गए तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई। भाजपा के मना करने पर आआपा ने कांग्रेस से बिना मांगे समर्थन से सरकार बनाई और नियम का पालन किए बिना लोकपाल विधेयक विधानसभा में पेश करने से रोके जाने के खिलाफ 49 दिनों पुरानी सरकार ने इस्तीफा दिया। तब कांग्रेस को लगा कि आआपा बिखर जाएगी लेकिन उसे दिल्ली में पैर जमाने का अवसर उसके बाद कांग्रेस से ज्यादा भाजपा ने दिया। आआपा सरकार गिरने के करीब नौ महीने बाद (15 फरवरी,2014 को केजरीवाल सरकार ने इस्तीफा दिया और तीन नवंबर,2014 को राष्ट्रपति शासन लगा।) बाद दिल्ली में पहली बार राष्ट्रपति शासन लगा। 2014 के लोक सभा चुनाव में आआपा ने देश भर में चुनाव लड़ना तय किया। खुद केजरीवाल भाजपा के प्रधानमंत्री पद के घोषित उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बनारस चुनाव लड़ने पहुंच गए। आआपा के ज्यादातर प्रमुख नेता लोक सभा चुनाव लड़े और पराजित हुए। केवल पंजाब में चार सीट आआपा जीत पाई। बाद में उसमें से दो सांसद आआपा से अलग हो गए और 2019 के लोक सभा चुनाव में केवल भगवंत मान चुनाव जीते,वे 2022 में विधानसभा में आआपा की जीत के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री बने।

कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वायदे ने आआपा को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधान सभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली और उसका वोट औसत घट कर 9.7 पर आ गया। 2020 के विधानसभा चुनाव में आआपा को फिर से भारी जीत मिली। उसे 70 में से 62 सीटें मिली। फिर तो आआपा ने पंजाब में भी विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बना ली और अखिल भारतीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया। इतना ही नहीं वह जगह-जगह कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश करने लगी। इसी बीच में भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन बना। आआपा इस गठबंधन में शामिल होकर 2024 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के साथ कुछ स्थानों पर गठबंधन कर लिया। यह गठबंधन पहले हरियाणा चुनाव में टूटा और अब दिल्ली में टूटने की घोषणा दोनों ही दलों ने कर दी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आआपा अपने को शराब घोटाले में पाक-साफ होने का दावा करेगी,भाजपा आआपा को भ्रष्ट साबित करने में लगेगी, वहीं कांग्रेस दिल्ली में अपनी खोई जगह पाने के लिए भाजपा और आआपा के खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ कर अपना वजूद को बचाने का प्रयास करेगी। अल्पसंख्यक और दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस जी-जान की कोशिश कर रही है। उसका तीसरा मूल वोटर कहे जाने वाले पूर्वांचल के प्रवासी हैं,जिसमें उसका समर्थन सबसे कम दिखता है। कांग्रेस के पास आआपा और भाजपा के पूर्वांचल नेताओं के मुकाबले कोई बड़ा पूर्वांचली नेता नहीं है। कांग्रेस हर स्तर पर हाथ-पांव मारती नजर आ रही है। देखना है कि कांग्रेस इसमें कितना कामयाब हो पाती है। अगर इस चुनाव में उसको कोई सीट न मिली या उसका वोट औसत न बढ़ा तो उसका दिल्ली में भी वही हाल होगा जैसा उन राज्यों में हुआ है, जहां किसी तीसरी पार्टी ने मजबूत होकर कांग्रेस का स्थान ले लिया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार के कार्यकारी संपादक हैं।)

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द बिश्नोई के नेतृत्व और कुशल निर्देशन में जेडीए प्रशासन कर रहा अवैध कॉलोनियों पर विधिसम्मत कार्रवाई

जोन-09 ग्राम गोनेर में करीब 1.5 बीघा जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को करवाया कब्जा-अतिक्रमण मुक्त

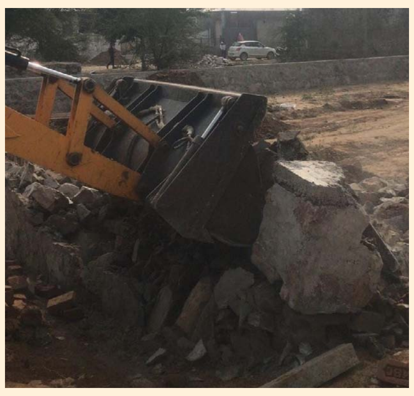

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 दिसम्बर 2024। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए जोन-09 ग्राम गोनेर में करीब 1.5 बीघा जेडीएस्वामित्वकीसरकारीभूमिकोकब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया, जोन-11 निजी खातेदारी करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण किया एवं जोन-14 निजी खातेदारी करीब 22 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियां का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण किया गया। कैलाश चन्द्र बिश्नोई, उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर ने बताया कि प्रवर्तन शाखा जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम गोनेर, तहसील सांगानेर के खसरा नं. 2598 करीब 1.5 बीघा जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर सीमेन्ट के पिल्लर गाडकर, तारबंदी कर, लकडी की छडियां, झाडियां इत्यादि लगाकर अवैध रूप से खेती किये जाने पर अतिक्रमणकर्ता को धारा 72 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया था परन्तु अतिक्रमणकर्ता द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाये जाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर आज जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-11 के

- **जोन-11 निजी खातेदारी करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण।**
- **जोन-14 निजी खातेदारी करीब 22 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियां का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण।**

क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मानसिंहपुरा उर्फ कपूरवाला,तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई डामर की सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मोहनपुरा में मोहनपुरा गढ़ के पास, जिला जयपुर में करीब 16 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त किया गया।जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नानजीपुरा, चन्दलाई के पास तहसील चाकसू, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडक, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन प्रथम, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन 11, 14, 09 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 92 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया एवं 318 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाय जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण का पहुंची जैसलमेर

- **उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया हार्दिक स्वागत**

चमकता राजस्थान। जयपुर, 20 दिसम्बर। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी शुक्रवार को दो दिवसीय यात्रा पर जैसलमेर पहुंची। साथ ही, केन्द्रीय वित्तीय मंत्री निर्मला सीतारमण भी 55 वीं जीएसटी कांउन्सिल बैठक में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जैसलमेर पहुंची। जैसलमेर एयरपोर्ट पर वित्त मंत्री का उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुलदस्ता भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर सभागार में आयोजित हुआ भव्य सम्मान समारोह

- **नवनिर्वाचित अधिवक्ता अध्यक्षों सहित कार्यकारिणीयों का गर्मजोशी से किया गया स्वागत**
- **मान सम्मान से बढ़ता है हौसला मिलती हैं सकारात्मक ऊर्जा गजराज सिंह राजावत**

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी)। दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर के सभागार में दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन जयपुर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का आयोजित हुआ सम्मान समारोह इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसियेशन जयपुर के अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन जयपुर तथा दी बार एसोसियेशन जयपुर के हाल ही में सम्पन्न हुये चुनाव में विजयी हुये नवनियुक्त अध्यक्ष / महासचिव एवं नव निर्वाचित कार्यकारिणी के स्वागत सम्मान का कार्यक्रम दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार जयपुर के सभागार में रखा गया।जिसमें राजस्थान उच्च न्यायालय के अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य महासचिव रमित पारीक दी बार एसोसियेशन जयपुर केअध्यक्ष संदीप लुहाडिया महासचिव मनीष गगरानी एव सभी बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी उपस्थित रही इस दौरान निवर्तमान महासचिव अखिलेश कुमार जोशी ने मंच का संचालन किया वर्तमान महासचिव नरेंद्र सिंह राजावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत उसने सभी का स्वागत किया कार्यक्रम में सीनियर अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष महासचिव उपस्थित हुए पूर्व कार्यकारिणी और बड़ी संख्या में युवा एडवोकेट उपस्थित रहे।

राजस्थान पुलिस एवं स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के मध्य एमओयू

पुलिस कार्मिकों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 20 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान पुलिस एवं स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के मध्य 'राजस्थान पुलिस सैलेरी पैकेज' पर एमओयू हस्ताक्षरित हुआ। शर्मा ने कहा कि पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण की दिशा में किया गया यह एमओयू अहम कड़ी साबित होगा। राज्य सरकार आने वाले समय में राजस्थान पुलिस के कार्मिकों के कल्याण के लिए और भी आवशयक कदम उठाती रहेगी।मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आयोजना डॉ. प्रशाखा माथुर एवं एसबीआई की महाप्रबन्धक नेटवर्क प्रथम रितु गौड़ ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस नवीन एमओयू द्वारा प्रदत्त सैलेरी पैकेज में देय आर्थिक परिलाभ, पूर्व में दिए जा रहे परिलाभों से काफी अधिक हैं। राजस्थान पुलिस में कार्यरत पुलिस व मंत्रालयिक कर्मियों को यह परिलाभ प्राप्त होंगे। इस अवसर पर रितु गौड़ ने कहा कि एसबीआई द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में 20 लाख रुपये एवं राजस्थान पुलिस कल्याण निधि में 30 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

नवीन सैलेरी पैकेज में ऑन ड्यूटी एवं ऑफ ड्यूटी में देय होंगे समस्त परिलाभ

यह होगा नवीन पैकेज

नवीन एमओयू के अनुसार, राजस्थान पुलिस में कार्यरत पुलिस एवं मंत्रालयिक कर्मियों को दुर्घटना में मृत्यु होने पर 1 करोड़ 20 लाख रुपये, स्थाई विकलांगता की दशा में 1 करोड़ 10 लाख रुपये तथा स्थाई आंशिक विकलांगता पर 80 लाख रुपये का परिलाभ दिया जाएगा। वहीं, हवाई यात्रा में दुर्घटना होने पर 2 करोड़ 70 लाख रुपये, प्लास्टिक सर्जरी अथवा बर्न के प्रकरणों में 10 लाख रुपये, एयर एम्बुलेंस के लिए 10 लाख रुपये व एम्बुलेंस के लिए 50 हजार रुपये का भुगतान देय होगा। ये समस्त परिलाभ ऑन ड्यूटी एवं ऑफ ड्यूटी दोनों स्थितियों में देय होंगे उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस में कार्यरत पुलिस एवं मंत्रालयिक कर्मियों की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए दुर्घटना इत्यादि में मृत्यु हो जाती है। इन कार्मिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए यह नवीन एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं हेमन्त प्रियदर्शी, पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस संजय कुमार अग्रवाल सहित पुलिस विभाग एवं एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संसदीय कार्य मंत्री ने एम्स से सालावास सड़क पर पुल निर्माण कार्य का किया अवलोकन

- **प्रदेश सरकार अवसंरचनात्मक विकास के साथ सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्धः संसदीय कार्य मंत्री**

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी),20 दिसंबर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर में एम्स से सालावास सड़क पर पुल निर्माण कार्य का अवलोकन कर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवशयक निर्देश दिए।संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अवसंरचनात्मक विकास के साथ सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हर गांव-ढाणी तक सुलभ परिवहन व्यवस्था की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने के लिए सड़क निर्माण कार्य प्राथमिकता के साथ करवाए जा रहे हैं। एम्स से सालावास सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन सुगम होगा अधिकारियों को दिए आवशयक निर्देश पटेल ने पुल एवं सड़क निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता के प्रतिक एवं महान सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स

अजमेर वही आते हैं जिन्हे ख्वाजा बुलाते हैं: नफीस आफरीदी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) विश्व प्रसिद्ध अजमेर स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का उर्स इस वर्ष झंडारोहण 27 दिसंबर से आगाज हो जाएगा। इस्लामी माह रजब के चांद दिखने के साथ ही ख्वाजा गरीब नवाज के उर्स की शुरुआत हो जाती है। ऐसे में ख्वाजा के चाहने वालों का अजमेर उर्स में हाजरी लगाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। ख्वाजा गरीब नवाज को चाहने वाले पूरी दुनिया मैं मौजूद हैं। सभी की ख्वाहिश रहती है कि वे उर्स के मुबारक मौके पर अजमेर आकर दरगाह में हाजरी लगाएं, लेकिन यहां कहा जाता है कि इरादे रोज बनते हैं और टूट जाते हैं। अजमेर वही आते हैं जिन्हे ख्वाजा बुलाते हैं। ख्वाजा गरीब नवाज का 813 वां उर्स के झंडे की रस्म हो चुकी है। आशिकाने गरीब नवाज का अजमेर आने वाले जयरीन का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि ख्वाजा गरीब नवाज की एक मात्र ऐसी दरगाह है जहां उर्स छह दिनों तक मनाया जाता है। गौरतलब है कि ख्वाजा गरीब नवाज 36 वर्ष की आयु में अजमेर आए थे। यहां वे पहले औलिया मस्जिद में ठहरे। इसके

बाद वे आनासागर के समीप एक पहाड़ी पर गुफा में रहने लगे। यहां रहकर उन्होंने 40 दिन इबादत की। यहां से ख्वाजा गरीब नवाज के चाहने वाले उन्हें लेकर यहां ले आए. इसके बाद यहीं पर रहकर ख्वाजा गरीब नवाज इबादत करते और लोगों से मिलते-जुलते और उनकी दुख तकलीफों को दूर करते। ख्वाजा गरीब नवाज रजब का चांद देख कर यहां अपने हुजरे में चले गए। उन्होंने जाने से पहले अपने शिष्यों को कहा था कि वे याद ए इलाही के लिए इबादत में बैठने जा रहे हैं इसलिए कोई भी उनके पास आने की कोशिश नहीं करें।

रजब के चांद से छठी तक होता है उर्स : रजब की चांद की तारीख से 5 तारीख तक ख्वाजा गरीब नवाज अपने हुजरे से बाहर नही आए। छठे दिन जब हुजरे से कोई आवाज नही आई तब उनके मुरीदों (शिष्यों) को चिंता होने लगी। सबने मिलकर आपस में मशविरा किया और फैसला किया कि हुजरे को खोला जाए। जब हुजरा खोला गया तब ख्वाजा गरीब नवाज का विसाल हो गया था यानि इस ×फानी दुनिया को छोड़ व्हुके चुके थे। विसाल के वक्त उनका चेहरा रोशन था और उनकी पेशानी पर लिखा था कि अल्लाह का दोस्त अल्लाह की मोहब्बत में अल्लाह से जा मिला। हुजरे में ख्वाजा गरीब नवाज ने दुनिया से कब परदा किया यह किसी को पता नहीं। इसी वजह से उनका उर्स 6 दिन मनाया जाता है। ख्वाजा गरीब नवाज ने 80 से 82 साल का एक लंबा वक्त अजमेर में बिताया। अपने पूरे जीवन में ख्वाजा गरीब नवाज में इंसानियत और मोहब्बत का पैगाम दिया। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का जन्म इराक के संदल शहर में हुआ था। उनके माता-पिता इस दुनिया से तब रुखसत हुए जब वह 14 वर्ष की आयु के थे. अपने गुजारे के लिए वह बागवानी किया करते थे। इस दौरान ही उन्हें एक संत इब्राहिम कंदोजी मिले। इसके बाद ही उनका मन अध्यात्म की ओर बढ़ने लगा। इबादत में मशगूल रहने कि वजह से उन्होंने अपनी पवन चक्की और बाग बेच दिया और उससे जो पैसे मिले उनमें से कुछ गरीब और यतीमों में बांट दिए। बाकी बच पैसे लेकर वो हज करने के लिए मक्का मदीना चल पड़े। मक्का सहरी×फ के बाद उन्होने मदीना का रुख किया। वहाँ उन्हें उस्मानी हारुनी नाम के पीर मिले जिन्होंने ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती और उनके फुफेरे भाई फखरुद्दीन गुर्देजी को हिंदुस्तान जाने के लिए कहा। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती और उनके फुफेरे भाई हिंदुस्तान के लिए रवाना हो गए। वे बगदाद से ईरान और इराक होते हुए समरकंद, बुखारा के रास्ते काबुल और कंधार तक पहुंच गए तो उन्हें पता चला कि हिंदुस्तान इस ओर नहीं है। ताशकंद से वापस वह काबुल लौट आए और यहां से लाहौर होते हुए दिल्ली पहुंचे फिर दिल्ली से अजमेर आए। ख्वाजा गरीब नवाज ने अपना पूरा जीवन सादगी से बिताया। अपने पीर से मिले लिबास को ही उन्होंने ताउम्र पहने रखा। कहते हैं उन्होने जौ का दलिया ही खाया। दरगाह में सदियों से हर दिन जौ का दलिया बनता आया है। ऐसा माना जाता है कि सूफी संत मजहब से ऊपर उठ जाते हैं और उनका मजहब केवल इंसानियत रह जाता है, ख्वाजा गरीब नवाज यहीं पर झोपड़ी में रहते थे जहां उनकी मजार है। यहीं पर लोग उनसे अपनी दुख तकली×फों का हल ढूंढने के लिए मुला×कात करने आया करते थे। लोगों की दुख तकलीफ को दूर करने के साथ ही ख्वाजा गरीब नवाज ने उस दौर में व्याप्त रूढ़िवादी परंपराओं से भी लोगों को बाहर निकाला। यही वजह है कि ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में हर धर्म, जाति के लोग हाजरी लगाने के लिए आते है। उनके उपदेश सभी धर्मावलम्बियों के लिए आज भी प्रासंगिक हैं सच्चा भक्त वह है जिसे तीन गुण प्राप्त होते हैं: न कि वह निराश न नमाज ईश्वर की निकटता की सीढ़ी है।जो व्यक्ति झूठी शपथ लेता है, उसके घर से समृद्धि चली जाती है और वह जल्दी ही बर्बाद हो जाता है।कब्रिस्तान में हँसना, खाना-पीना या कोई अन्य सांसारिक कार्य नहीं करना चाहिए।अंतिम यात्रा के लिए अपने उपकरण हमेशा तैयार रखें और मृत्यु को हमेशा अपने सिर पर मंडराते हुए सोचें। ईश्वर जिनसे प्रेम करता है, उन पर दुर्भाग्य और दुख बरसाता है।नर्क की आग से बचाव भूखों को भोजन, प्यासों को पानी, जरूरतमंदों की आवशयकताओं को पूरा करने और दुखी लोगों से मित्रता करने से नर्क की आग से बचा जा सकता है।वे कहते थे जैसे सुबह सूरज की रोशनी बढ़ती है, वैसे ही ईशरा×क नमाज पढ़ने वाले में दिव्य प्रकाश फैलता है। जब आरिफ किसी चीज पर ध्यान करता है, तो वह इतनी गहराई में चला जाता है कि हजारों फरिश्ते भी उसे विचलित नहीं कर सकते।हर मानव बाल के नीचे अशुद्धता होती है, इसलिए पानी को हर बाल की जड़ तक पहुंचना चाहिए। मानव पसीना अशुद्ध नहीं होता। मृत्यु से पहले पश्चाताप करें और अंतिम समय से पहले नमाज अदा करें। ईश्वर का सच्चा प्रेमी वही है जो हमेशा ईश्वर की याद को दिल में बनाए रखता है। आज उनके आस्ताने पर सभी धर्मों के राजा से लेकर रंक तक आते हैं और श्रद्धा से शीश नवाते हैं।सदियों बाद भी वे जलवा अफरोज हैं और लोगों के दिलों पर राज करते हैं।

मुख्यमंत्री की नीमराना के जापानी जोन में उद्यमियों के साथ बैठक

नीमराना-घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान के ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 20 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हुई राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट प्रदेश की अर्थव्यवस्था और चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए हैं। साथ ही, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रदेशवासियों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है जिससे राजस्थान के विकास को गति मिलेगी। शर्मा शुक्रवार को नीमराना के जापानी जोन में स्थित डाइकिन कम्पनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीमराना व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। देश के पहले जापानी जोन नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित हैं। जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो में 7 जापानी कम्पनियों एवं जेट्रो ने जापान पैवेलियन में हिस्सेदारी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष जोर है। प्रक्रियाओं और नीतियों को सरल बनाया जा रहा है। हमने 10 नई नीतियां जारी की हैं।

नीमराना-घीलोठ में होंगे करीब 150 करोड़ रुपये के विकास कार्य

● **औद्योगिक क्षेत्र नीमराना और घीलोठ में होंगे 150 करोड़ रूपये के विकास कार्य**

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश करने के रूझान को देखते हुए दूसरा जापानी जोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमराना और घीलोठ में करीब 150 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ किए जा रहे हैं। इसमें साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र में एनएच-48 से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र तक 1620 मीटर सीसी सड़क के निर्माण और 90 लाख रुपये की लागत से औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में 4500 लीटर क्षमता के दो अग्निशमन वाहनों की आपूर्ति हेतु कार्यादेश जारी हो चुके हैं। शर्मा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना व घीलोठ में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी जीएसएस नीमराना जनरल जोन, 132 केवी जीएसएस जापानी जोन, 220 केवी जीएसएस घीलोठ और कोलिला जोगा में 33 केवी जीएसएस की स्थापना की जाएगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में करीब 19 करोड़ की लागत से एनएच-48 से औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ तक लिंक रोड का सुदृढ़ीकरण और स्ट्रीट लाइट के कार्य करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के विस्तार हेतु भी प्रदेश में 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। नीमराना में पानी की समस्या को दूर करने के लिए ईआरसीपी से पानी लाने पर भी विचार किया जा रहा है।खुशखेड़ा, भिवाड़ी, नीमराना औद्योगिक क्षेत्र को डीएमआईसी नोड बनाने का हो रहा कार्य मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना प्रथम, द्वितीय, ईपीआईपी एवं एन.आई.सी. (एम) नीमराना में करीब 11 करोड़ रुपये व्यय कर 48 किलोमीटर लम्बाई में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य भी शीघ्र शुरू कराया जाएगा। साथ ही, लगभग 9 करोड़ रुपये व्यय कर नीमराना प्रथम, द्वितीय, ईपीआईपी, घीलोठ में बिजली की लाइनों को भूमिगत एवं सुदृढ़ीकरण करने का कार्य और लगभग 2 करोड़ रुपये व्यय कर औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में सड़कों के सुदृढ़ीकरण तथा हाईमास्ट के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नीमराना में बहुमुखी विकास के साथ खुशखेड़ा, भिवाड़ी, नीमराना औद्योगिक क्षेत्र को डीएमआईसी नोड बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि उद्योगों में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। बांदीकुई में भी जल्द ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 11 सितम्बर को भारतीय दूतावास, टोक्यो एवं जेट्रो के सहयोग से नीमराना दिवस टोक्यो (जापान) में मनाया गया। इसी तरह राज्य सरकार और रीको की भागीदारी से प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को नीमराना दिवस मनाया जाएगा जेट्रो के डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुजुकी ने कहा कि नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के जापानी जोन में जापानी कम्पनियों का बेहतरीन अनुभव रहा है। भविष्य में जापानी कम्पनियों के द्वारा राज्य में और निवेश किया जाएगा। उन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट आयोजन को निवेशकों के लिए अच्छा अवसर बताया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विधायक डॉ. जसवन्त सिंह यादव, देवीसिंह शेखावत,अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त रोहित गुप्ता, रीको के प्रबंध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता, जिला कलक्टर कोटपूतली-बहरोड़ कल्पना अग्रवाल, बीड़ा भिवाडी सीईओ अतुल प्रकाश, नीमराना इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक,लघु उद्योग भारती नीमराना अध्यक्ष के.के यादव, घीलोठ मन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन महासचिव राजा सोनी,हीरो मोटोकॉर्प से पराग गोयल,डाइकिन प्लांट हेड संदीप भट्टाचार्य सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन सप्ताह के दूसरे दिन विशेष ग्राम सभा का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 दिसंबर। जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण में 19 दिसंबर से लेकर 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुशासन सप्ताह के दूसरे दिन जिले में विशेष ग्राम सभा एवं पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गयाचाकसू के शिवदासपुरा ग्राम पंचायत परिसर में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा की अध्यक्षता में विशेष ग्राम पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिवदासपुरा में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त कुल परिवाद 29 में से पंचायतीराज विभाग के 10, पेयजल संबंधी समस्याओं के 6, राजस्व विभाग के 5, सिंचाई विभाग एवं जेवीवीएनएल के 2-2 एवं खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन, समाज कल्याण के 1-1 परिवाद प्राप्त हुए।जिला परिषद सीईओ ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को परिवादों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित उपखंड अधिकारी, तहसीलदार एवं खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया कि शुक्रवार, दिनांक 20 दिसंबर 2024 को सुशासन सप्ताह के दूसरे दिन सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा एवं पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के अतिरिक्त संबंधित विभागों के अधिकारियों ने आमजन की परिवेदनाएं सुनी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शोक सभा में करी शिरकत,

● **दी सहायक उपनिरीक्षक स्व.सुरेन्द्र सिंह ओला को भावभीनी श्रद्धांजलि**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। 20 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को नीमराना में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) स्वर्गीय सुरेन्द्र सिंह ओला के पैतृक गांव माजरा काठ पहुंचे। शर्मा ने स्व. सुरेन्द्र सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने स्व. सुरेन्द्र सिंह के परिवारजनों से मुलाकात की एवं उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवार को हर संभव मदद करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा,विधायक जसवंत सिंह यादव,बाबा बालकनाथ,देवीसिंह शेखावत, कुलदीप धनकड़ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।
उल्लेखनीय है कि सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह का 11 दिसंबर, 2024 को जयपुर के अक्षयपात्र चौराहा जगतपुरा पर वाहन दुर्घटना में गंभीर घायल होने पर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था।

बहुउद्देशीय पशुचिकित्सालय टीम द्वारा गाय का किया पहला जटिल आँपरेशन

गौरक्षा टीम शाहपुरा द्वारा गाँठ के कारण तडप रही रैस्क्यू कर लाई गाय का किया आपरेशन

● **3 घंटे के जटिल आँपरेशन में सात चिकित्सको,पशुधन सहायकों की टीम ने निकाली तीन किलो की ट्यूमर**

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) ।पशुपालन विभाग द्वारा इसी महीने में बजट घोषणा के तहत कस्बे मे स्थित ब्लॉक वैटरनरी हैल्थ ऑफिस को राजकीय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया गया जिससे अब गाय,भैस,बकरी,भैड सभी पशुओं के जटिल से जटिल आँपरेशन भी अब जयपुर की बजाय शाहपुरा में होने की शुरूआत की है अभी हालांकि भवन समेत संसाधनों का अभाव है जिनकी भी बहुत जल्द पूर्ति होने की संभावना है।बहुउद्देशीय चिकित्सालय में आँपरेशन, जाँच समेत सभी प्रकार की सुविधाओं का विस्तार होता है एम्बुलेंस तक सुविधा के आसार है अभी पशु एम्बुलेंस के अभाव में मौके पर ही इलाज किया जा रहा है।गौरक्षा दल शाहपुरा के संरक्षक धर्मपाल यादव,संयोजक लोकेश सामोता ने बताया कि द्वारा 8 दिसंबर को कस्बे के विनायक काँलोनी से

पूँछ व रीढ की हड्डी के जुडाव पर एक गाँठ होने पर खून बह रही निराश्रित गाय को रैस्क्यू कर खोरी स्थित परमानंद धाम गौशाला पहुचाया जिसके इलाज के लिए बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय उपनिदेशक डाँ.सुनिल कुमार शर्मा को सूचना देकर टीम का गठन कर आँपरेशन करने के लिए अवगत कराया तो उपनिदेशक द्वारा डाँक्टर की टीम का गठन किया गया।जिससे सरकार द्वारा चलाई जा रही मोबाइल निःशुल्क वैटरनरी एम्बुलेंस को भी निर्देश जारी किये गए। सर्जन डाँ.पंकज जैन समेत डाक्टर टीम ने गाय की गाँठ निकालने के लिए लगभग तीन घंटे में लगभग तीन किलो की गाँठ जटिल आँपरेशन कर सफलतापूर्वक निकालकर नवक्रमोन्नत बहुउपयोगी पशु चिकित्सालय का पहला जटिल आँपरेशन किया गया।

आँपरेशन में यह रहे मौजूद

उपनिदेशक डाँ.सुनिल शर्मा,सर्जन स्पेशलिस्ट डाँ.पंकज जैन बाडीजोडी, डाँ महेंद्र लांबा मोबाइल यूनिट,पशुधन निरीक्षक नाथावाला रामशरण मीणा , पशुधन निरीक्षक शाहपुरा महावीर पलसानिया,पशुधन निरीक्षक रामपुरा प्रवीण शर्मा, पशुधन निरीक्षक खोरी सावित्री जाट, पशुधन निरीक्षक मोबाइल यूनिट मुकेश यादव , मोबाइल यूनिट चालक दिनेश यादव व गौरक्षा दल शाहपुरा टीम के सदस्य धर्मपाल यादव, लोकेश सामोता, मुकेश गुर्जर, रोहितांश मीणा,शैतान गुर्जर आदि मोजूद रहे।

जयपुर दुखदायक हादसे पर जमाअते इस्लामी हिंद प्रदेशाध्यक्ष ने जताया शोक

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी): जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने अजमेर रोड जयपुर में हुए भीषण गैस टैंकर हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद और दिल दहलाने वाला बताया।मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा कि इस हादसे में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ₹इस दुख की घड़ी में हम सभी पीड़ितों के साथ हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों को संयम और साहस प्रदान करे और जो लोग घायल हुए हैं, उन्हें जल्द स्वास्थ्य लाभ हो।₹उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस हादसे में हुई लापरवाही की जांच करवाई जाए और मृतकों, घायलों और इस घटना से हुए अन्य प्रभावितों को उचित मुआवजा दिया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी पहुँचे एस.एम.एस अस्पताल | जन कल्याण के लिए किया विधानसभा में स्वस्ति वाचन

अजमेर रोड हादसे के घायलों को देखा, परिजनों के लिए भोजन, पानी और रहने की व्यवस्था करवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 20 दिसम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः एस.एम.एस अस्पताल पहुँचकर अजमेर रोड हादसे में हताहत और घायल हुए लोगों की जानकारी ली। देवनानी ने एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य दीपक माहेश्वरी के साथ अस्पताल के विभिन्न वार्डों में उपचार ले रहे लोगों को देखा। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी के ईलाज की उचित व्यवस्था के साथ ही परिजनों के लिए भोजन, पानी और रहने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिवंगतों की आत्म शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

● **जन कल्याण के लिए स्वस्ति वाचन**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अध्यक्ष पद पर एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शुक्रवार को विधानसभा में वेद और संस्कृत विद्यालयों के 51 छात्रों ने जन कल्याण के लिए स्वस्ति वाचन किया। देवनानी ने राजस्थान प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की। विधानसभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के.शर्मा और प्रमोद कुमार शर्मा के निर्देशन में हुए इस स्वस्ति वाचन में राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय के गजानन्द शर्मा, अवधेश शर्मा और संतोष कुमार शर्मा सहित अध्यापक और छात्रगण मौजूद थे।

● **नौकरी देने वाले बने युवा**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को जयपुर शहर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवाओं ने शुक्रवार को विधानसभा पहुँचकर एक वर्ष के सफल कार्यकाल पर बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा का जनदर्शन कार्यक्रम का लाभ युवाओं को अधिक से अधिक लेना चाहिए। इससे उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जानकारी सहज रूप से उपलब्ध होती है। देवनानी ने कहा कि राष्ट्रीय विचारों को आगे बढाने की आवश्यकता है। युवा भारत और भारतीय संस्कृति को समझे। ₹न रुकूंगा न झुकूंगा और न थकूंगा₹ यह बात युवाओं को अपने जीवन में लानी होगी। श्री देवनानी ने कहा कि युवा नौकरी लेने वाले नहीं देने वाले बने। उन्होंने कहा कि समय बदल रहा है।

● **देवनानी ने प्रकृति परिक्षण करवाया**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को यहां विधानसभा में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित देश के प्रकृति परिक्षण अभियान के तहत विधानसभा में आयोजित शिविर में पहुँचकर आयुर्वेद चिकित्सकों से अपना प्रकृति परिक्षण कराया। देवनानी ने कहा कि आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित यह अभियान आम जन के लिए महत्वपूर्ण है। इससे व्यक्ति विशिष्ट परिस्थितियों में होने वाली व्याधियों से पूर्व में ही सचेत हो जाता है।

● **देवनानी ने की प्रेस वार्ता**

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को विधानसभा में अध्यक्ष पद पर एक वर्ष के कार्यकाल के पूरे होने पर मीडिया प्रतिनिधिगण से वार्ता की। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में राजस्थान विधानसभा का सदन डिजिटल तकनीक से कार्य करेगा। सदन का स्वरूप गुलाबी रंग जैसा दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में 30 गैलेरियां है। संग्रहालय में महान राजनीतिज्ञों की जानकारी का समावेश किया गया है, जिनके योगदान के लिए यह राजस्थान सदैव ऋणी रहेगा। संग्रहालय के माध्यम से वे चिरस्मरणीय रहेंगे। संग्रहालय में रियासतों का विलय, राज्य का विकास, विधानसभा की जानकारी, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्षों के योगदान, उनके विकास में भागीदारी सहित राज्य को आकार देने में निर्वहन की गई भूमिका को अत्याधुनिक तकनीक और चलचित्रों के माध्यम से जीवंत किया गया है। विधानसभा जन-दर्शन कार्यक्रम के द्वारा संग्रहालय से सभी को जोडने का महत्वपूर्ण कार्य शुरु किया गया है। देवनानी ने कहा कि विधानसभा में संविधान क्लब, विधायक आवास परिसर में आधुनिक सुविधाएं सहित विधानसभा की संसदीय कार्य प्रणाली में अनेक नवाचार किए है।देवनानी ने कहा कि संग्रहालय में संविधान दिवस से संविधान दीर्घा का शुभारम्भ भी कर दिया गया है। यह प्रयास संविधान में शोधपरक दृष्टि का परिचायक है। इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, सांस्कृतिक और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 ने 18वें संस्करण के लिए बहुआयामी कार्यक्रम का अनावरण किया

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 दिसंबर: ‘धरती के सबसे बड़े साहित्य उत्सव’ के रूप में प्रसिद्ध जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल अपने 18वें संस्करण के साथ फिर से साहित्य प्रेमियों को लुभाने के लिए तैयार है। उत्सव का आयोजन होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2025 तक किया जाएगा। भारत की अग्रणी क्यूरेशन कंपनी एवं फेस्टिवल प्रोड्यूसर टीमवर्क आर्ट्स ने उत्सव के दौरान आयोजित किए जाने वाले संवाद सत्रों की पहली सूची जारी कर दी है। ये सत्र एक बार फिर पुस्तकों एवं विचारों की परिवर्तनकारी ताकत को मजबूती से प्रदर्शित करते नजर आएंगे।समृद्ध विरासत के साथ यह उत्सव स्थानीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधि स्वरों के लिए महत्वपूर्ण मंच रहा है। आगामी संस्करण में बहुत सावधानी से तैयार किए गए लाइनअप के साथ संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा, वैचारिक विभाजन को खत्म किया जाएगा और विभिन्न अवधारणाओं को सामने रखा जाएगा। 300 से ज्यादा प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ इस साल उत्सव में वाद-विवाद, परिचर्चा एवं कहानियां सुनने का मौका मिलेगा।

घोषित सत्रों में निम्नलिखित सत्र शामिल हैं:

- **पुअर इकोनॉमिक्स फॉर द यंग**

अपनी लोकप्रिय पुस्तक ‘पुअर इकोनॉमिक्स फॉर किड्स’ में नोबेल पुरस्कार विजेता एस्थर डुफ्लो और प्रसिद्ध इलस्ट्रेटर चेयेन ओलिवर ने युवा पाठकों के लिए अर्थव्यवस्था की विभिन्न धारणाओं को विस्तार से बताया है, जिससे उनका दिमाग खुले और वे अपने विचारों को विस्तार दे सकें। डुफ्लो और ओलिवर साथ मिलकर सामाजिक जागरूकता एवं सहानुभूति की प्रारंभिक अवधारणाओं पर चर्चा करेंगे, जिन्हें स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

- **हमारा शहर उस बरस (अवर सिटी दैट ईयर)**

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता गीतांजलि ने ‘हमारा शहर उस बरस’ में समाज, दोस्तों एवं लोगों की मानसिकता एवं बिखरे हुए माहौल पर चौंकाने वाली अंतर्दृष्टि पेश की है, जो सांप्रदायिकता की विभाजनकारी प्रवृत्ति को दिखाता है। इसका अनुवाद अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता अनुवादक डेजी रॉकवेल ने ‘अवर सिटी दैट ईयर’ के रूप में किया है। इस सत्र में गीतांजलि बताएंगी कि जब सांप्रदायिक विभाजन वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, ऐसे में किस तरह से उनका उपन्यास किसी भी वर्ष में किसी भी शहर की कहानी को सामने रखता है।

- **डेविड हेयरः थिएटर एवं फिल्मों में जीवन**

द सीक्रेट रैप्चर, द एब्सेंस ऑफ वॉर और स्काईलाइट जैसी प्रतिष्ठित कृतियों के लेखक और बाफ्टा पुरस्कार विजेता नाटककार डेविड हेयर, इस सत्र में अपनी रचनात्मक प्रक्रिया एवं उन प्रेरणाओं व पलों के बारे में जानकारी देंगे, जिनसे उनके करियर को आकार मिला है। हेयर को ‘ब्रिटेन के सर्वश्रेष्ठ जीवित नाटककार’ के रूप में जाना जाता है।

- **भारत के प्रारंभिक राजनयिक नेहरूवादी**

विदेश नीति और आंतरिक एकीकरण व बाहरी खतरे के बीच की संवेदनशील रेखा पर चलने वाले राजनयिकों की पहली कतार के बारे में पत्रकार कल्लोल भट्टाचार्जी की पुस्तक ‘नेहरूज फर्स्ट रिक्रूट्सः द डिप्लोमेट्स हू बिल्ट इंडिपेंडेंट इंडियाज फॉरेन पॉलिसी’ में विस्तार से बताया गया है। इस सत्र में बताया जाएगा कि राजनयिक किस तरह से शासन-प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें भट्टाचार्जी पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त टीसीए राघवन, लेखक एवं पूर्व राजनयिक नवतेज सरना, संयुक्त राष्ट्र में पूर्व सहायक महासचिव लक्ष्मी पुरी और कनाडा में भारत के पूर्व उच्चायुक्त विकास स्वरूप से बातचीत करेंगे।

- **रोमन ईयरः एक संस्मरण**

लेखक, सीयूएनआई के प्रतिष्ठित प्रोफेसर एवं व्हिटिंग पुरस्कार विजेता आंद्रे एसीमैन ने 17 से अधिक फिक्शन एवं नॉन-फिक्शन रचनाएं की हैं। ‘कॉल मी बाय योर नेम’ में प्रेम, हानि एवं किशोरावस्था के कोमल चित्रण के लिए वैश्विक स्तर पर प्रशंसा प्राप्त एसीमैन अपनी दिलचस्प कहानियों और भावनाओं को बेबाक तरीके से रखने के लिए प्रसिद्ध हैं। इस सत्र में बेस्टसेलिंग ऑथर आंद्रे एसीमैन उपन्यासकार शिवानी सिब्बल के साथ प्रेम, स्मृति एवं पहचान के माध्यम से अपनी यात्रा के बारे में बात करेंगे।

- **कैरोसः द हार्ट डिवाइडेड**

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2024 की विजेता जेनी एर्पेनबेक की पुस्तक कैरोसः द हार्ट डिवाइडेड 1980 के दशक के पूर्वी बर्लिन की पृष्ठभूमि में लिखी गई है। इसकी कहानी एक भावपूर्ण लेकिन विनाशकारी प्रेम प्रसंग के इर्द-गिर्द केंद्रित है। इसका अनुवाद माइकल हॉफमैन ने किया है। यह कहानी बताती है कि जैसे-जैसे देश बिखरते हैं, वैसे-वैसे रिश्ते भी टूटते हैं। यह कहानी सत्ता,

- **द अपसाइड-डाउन वर्ल्डः डच मास्टर्स से मुलाकात**

बेंजामिन मोजर की ‘द अपसाइड-डाउन वर्ल्ड’ डच कलाकारों के प्रति एक श्रद्धांजलि है, जो पाठकों को हॉलैंड में बिताए गए उनके बीस साल के सफर से परिचित कराती है। इसमें एक युवा लेखक के रूप में नीदरलैंड में उनके आगमन से लेकर डच कला के स्वर्ण युग को आकार देने वाले रचनात्मक गुरुओं की खोज तक का वर्णन किया गया है। वह बताते हैं कि कैसे उन्होंने लंबे समय से परिदृश्य से गायब चल रहे कलाकारों के बीच सांत्वना पाई और दोस्त बनाए। मोजर कला से जुड़े कई अंतहीन प्रश्नों पर चर्चा करेंगे कि हम क्यों कला का सृजन करते हैं और इसका क्या महत्व है।

अमोल पालेकरः द व्यूफाइंडर अपने संस्मरण द व्यूफाइंडर में प्रतिष्ठित अभिनेता-निर्देशक अमोल पालेकर अपने जीवन और करियर के बारे में बात करते हैं। साथ ही उन्होंने भारतीय सिनेमा और रचनात्मकता पर एक गहरा व्यक्तिगत दृष्टिकोण भी सामने रखा है। फिल्म निर्माता संध्या गोखले के साथ मिलकर वह फेस्टिवल प्रोड्यूसर व टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय के. रॉय से खुलकर अपनी कहानियां एवं अंतर्दृष्टि साझा करेंगे, साथ ही पाठकों एवं श्रोताओं को भारतीय सिनेमा में कहानी कहने, कला एवं प्रदर्शन के विकास के माध्यम से एक रोचक यात्रा पर ले जाएंगे।

दो ऋषिः गांधी एवं टॉलस्टॉय महात्मा गांधी और लियो टॉल्स्टॉय समकालीन थे और उनके बीच लंबी दोस्ती रही थी। वे दोनों कभी व्यक्तिगत रूप से मिले नहीं थे, फिर भी उनमें पत्रों का आदान-प्रदान रहता था। टॉल्स्टॉय की पुस्तक द किंगडम ऑफ गॉड इज विदिन यू से गांधी बहुत प्रभावित थे। इस सम्मोहक सत्र में उनके वंशज व दो प्रतिष्ठित विचारक गोपालकृष्ण गांधी और डेनियल टॉल्स्टॉय विचारों की विरासत पर बात करेंगे और अतीत एवं वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता पर विमर्श करेंगे।

डीप वाटरः महासागर में दुनिया समुद्र के साथ मानवता के जटिल संबंधों की व्यापक खोज करती लेखक जेम्स ब्रैडली की नवीनतम पुस्तक ‘डीप वॉटर’ जीवन के पालने, इतिहास की निर्णायक शक्ति एवं एक नाजुक जीवन रेखा के रूप में महासागर की भूमिका पर बात करती है। मृदुला रमेश, भारत में ऑस्ट्रेलियाई राजदूत फिलिप ग्रीन

- **लॉन्ग एंड द शॉर्ट**

क्या संक्षिप्त होना ही बुद्धि की आत्मा है? क्या गंभीरता के लिए लम्बाई आवश्यक है? लेखन के विभिन्न रूपों के साथ किस तरह की चुनौतियां एवं सहूलियतें आती हैं? जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की सह-निदेशक और पुरस्कार विजेता लेखिका नमिता गोखले और लूसी कैलड्वेल महाकाव्य गाथाओं एवं बड़े उपन्यासों के रूप में दीर्घ-रूप लेखन (लॉन्ग फॉर्म राइटिंग) और लघु कथाओं, फ्लैश फिक्शन एवं छोटी पुस्तकों की विपरीत दुनिया के आकर्षण पर चर्चा करेंगी।

नमिता गोखले, फेस्टिवल को-डायरेक्टर, ने कहाः ‘जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 पुस्तकों एवं विचारों, संवाद एवं तर्कों, खोज एवं विभिन्न दृष्टिकोणों का एक डायनामिक मोजेक है। हम अपनी विभाजित दुनिया की बदलती वास्तविकताओं पर बात करेंगे और एक बेहतर दुनिया में प्रेरणा एवं विश्वास की खोज करेंगे। ‘मिस्टिक एंड मैडमैन’ से लेकर ‘इकोनॉमिक्स फॉर द यंग’ तक, भू-राजनीति से लेकर नालंदा के प्राचीन शिक्षाविदों तक,

विलियम डेलरिंपल, फेस्टिवल को-डायरेक्टर, ने कहाः ‘जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का 2025 संस्करण हमारे आयोजन की मूल भावना को दर्शाता है, जो है विविध प्रतिनिधि स्वरों एवं शक्तिशाली कहानियों को सबके समक्ष रखना। यह उत्सव दुनियाभर के दर्शकों को जोड़ता है, चुनौती देता है और प्रेरित करता है। हम एक ऐसी लाइनअप पेश करने के लिए रोमांचित हैं, जो बौद्धिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के इस महोत्सव के सार को दर्शाती है।₹

संजय के. रॉय, मैनेजिंग डायरेक्टर, टीमवर्क आर्ट्स, ने कहाः ‘जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल संवाद एवं कहानी कहने का एक माध्यम बना हुआ है, जो समझ एवं सहानुभूति पर साहित्य के गहन प्रभाव को दर्शाता है। प्रत्येक संस्करण एक जीवंत मंच के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है, जहां विचार एवं प्रतिनिधि स्वर मानवता की साझा भावना को बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं।जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 में कई अन्य सेगमेंट भी आयोजित किए जाएंगे, जो हर साल इसके समानांतर चलते हैं। इनमें प्रकाशकों, लेखकों, साहित्यिक एजेंट एवं इस उद्योग के अग्रणी लोगों को एक मंच पर लाने वाला एवं प्रकाशन उद्योग के लिए प्रमुख बी2बी मंच के रूप में स्थापित जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) का 11वां संस्करण; प्रसिद्ध भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगीतकारों के शानदार प्रदर्शन से सजा जयपुर संगीत मंच; जयपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आयोजित हेरिटेज ईवनिंग्स; विविध शिल्प उत्पादों की खरीदारी के लिए फेस्टिवल बज़ार दुनिया के सबसे प्रिय साहित्यिक समागम के रूप में इस महोत्सव को अपने लोकतांत्रिक गुटनिरपेक्ष चरित्र के लिए जाना जाता है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पक्षधर है। हर साल यह उन प्रतिनिधि स्वरों को साथ लाता है जो यथास्थिति को चुनौती देते हैं, नवाचार को प्रेरित करते हैं और विविधता का जश्न मनाते हैं, जिससे यह बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक प्रतीक बन जाता है।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर पंकज सिंह फाउंडेशन जयपुर और निम अस्पताल द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

- **187 हुए लाभान्वित, 34 जरूरतमंद मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन**
- **नर सेवा नारायण सेवा ही मेरी प्राथमिकता : डॉ पंकज सिंह**

चमकता राजस्थान। जयपुर ! (खलील कुरैशी) नारायणपुर तहसील के ग्राम पंचायत बुर्ज में डॉक्टर पंकज सिंह फाउंडेशन एवं निम अस्पताल के सुप्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श विद का आयोजन किया गया। शिविर के आयोजक समाजसेवी राकेश दायमा ने बताया कि सिविल में 187 जरूरतमंद मरिज लाभार्थी हुए जिनको निशुल्क दवा वितरण एवं जांच की गई एवं 34 मरीजों को आगे निशुल्क उपचार के लिए निम्स अस्पताल रेफर किया गया।निम्स अस्पताल के मार्केटिंग मैनेजर विष्णु कुमावत ने बताया कि डॉ पंकज सिंह फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में हर ग्राम पंचायत स्तर पर जरूरतमंद मरीज के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। चिकित्सा सिविर में सभी मरीजों के लिए दवाइयां,ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी एवं बीएमआई निशुल्क जांचे की जाती है, एवं उच्च उपचार के लिए निम्स अस्पताल द्वारा उनके सभी प्रकार के ऑपरेशन इलाज एवं दवाइयों की निशुल्क सेवा प्रधान की जाती है।

डॉ पंकज सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ पंकज सिंह का कहना है कि मैं सर्व समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक इलाज पहुंचाऊंगा।इस चिकित्सा शिविर में निम्स अस्पताल के सुप्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा अपनी सेवाएं दी गई जिसमें जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग बाल रोग नेत्र रोग नाक कान गला विशेषज्ञ मौजूद रहे।

‘जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में 20वें जेजेएस का हुआ भव्य शुभारंभ’ 23 दिसंबर तक होगा आयोजन

राजस्थान के जीडीपी का 17 प्रतिशत रत्न एवं आभूषण उद्योग से प्राप्त होता है : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

- **राजस्थान सरकार ने जेम बोर्स को सहयोग देने का आश्वासन दिया**
- **जेजेएस के पहले दिन उमड़ी भारी भीड़**

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 दिसंबर। रत्न एवं आभूषण उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो राजस्थान के जीडीपी का 17 प्रतिशत है। जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) युवाओं के स्किल डवलपमेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्हें रत्न एवं आभूषणों की समृद्ध विरासत को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व का सबसे बड़ा जेम बोर्स जयपुर में स्थापित किया जाना चाहिए और राज्य सरकार इस पहल का समर्थन करेगी। यह बात राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आज 20वें जयपुर ज्वैलरी शो के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। राठौड़ ने जयपुर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ की जगह पर दिल्ली के भारत मंडपम जैसी कन्वेंशन सुविधा विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने घरेलू अवसरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन को व्यवस्थित करने के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने के महत्व पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, विश्वास निर्माण करने तथा वैश्विक अपील बढ़ाने के लिए स्टोरी टेलिंग तथा प्रत्येक उत्पाद की प्रामाणिकता प्रदर्शित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। नेशनल जेम्स एंड ज्वैलरी काउंसिल ऑफ इंडिया (एनजीजेसीआई) के चेयरमैन, प्रमोद डेरेवाला ने कहा कि जयपुर के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जयपुर में 4 किलोमीटर के दायरे में दो स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स (सेज), एक एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रीयल पार्क (ईपीआईपी), जेम्स एंड ज्वैलरी इंस्टीट्यूट, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, वर्ल्ड क्लास लेबोरेटरी और जेम बोर्स स्थापित किए जा रहे हैं।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन, संयम मेहरा ने कहा कि यहां आभूषणों का अद्वितीय प्रदर्शन है और जेजेएस सभी अंतरराष्ट्रीय शो को कड़ी टक्कर दे रहा है। जेजेएस अब देश का 'कुंदन मीना कैपिटल' बन गया है। जीजेसी - ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल रत्न एवं आभूषणों को बढ़ावा देने के लिए जेजेएस के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष जोनल काउंसिल मीटिंग (जेडसीएम) में 45 से अधिक जीजेसी सदस्य भाग लेंगे।जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी), रीजनल चेयरमैन, निर्मल कुमार बरड़िया ने घोषणा की, कि आगामी जेम बोर्स का क्षेत्रफल 43,828 वर्ग मीटर होगा, तथा इसका कुल निर्माण क्षेत्र 30 लाख वर्ग फीट होगा। इसके शुरु हो जाने पर 60,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन ने इस वर्ष की जेजेएस की विशेषताओं और परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में जहां मात्र 67 बूथ थे, वहीं इस वर्ष 1200 से अधिक बूथ हैं। जेजेएस एक ही छत के नीचे विविधता लाकर आगंतुकों को शोरूम जैसा अनुभव देता है, तथा ज्वैलरी स्टूडेंट्स और डिजाइनरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।95 फीसदी एग्जीबिटर्स हर वर्ष वापस आकर जेजेएस में भाग लेते हैं, जो उनके विश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि जेजेएस 2024 इस वर्ष नवरत्नों में प्रमुख रत्न 'रूबी' पर केंद्रित है। इससे पूर्व, जेजेएस के चेयरमैन, विमल चंद सुराणा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि जेमफील्ड्स, 15 प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ प्रमुख रूबी प्रमोशन पार्टनर के रूप में, जेजेएस के लिए अद्वितीय प्रतिष्ठा लेकर आया है। जेजेएस के समान हाल ही में 'राइजिंग राजस्थान' इसी भव्य स्थल पर आयोजित हुआ, जो हमारी उत्कृष्टता की साझा धरोहर का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का जेजेएस हमेशा की तरह भव्य और अद्भुत होने का वादा करता है, और मुझे विश्वास है कि ये चार दिन व्यापारियों और आगंतुकों के लिए अत्यंत लाभकारी होंगे, जिससे जेजेएस रत्न और आभूषण उद्योग के सितारे के रूप में और भी मजबूत बनेगा।₹शो के उद्घाटन समारोह का संचालन जेजेएस के प्रवक्ता अजय काला ने किया।

अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जेजेएस एक व्यापक शोकेस है, जिसमें बहुमूल्य धातुओं और कलर्ड जेमस्टोन्स की उत्कृष्ट रेंज एक साथ उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भारत भर में जयपुर के रत्न एवं आभूषणों के व्यापक प्रचार से शहर की ब्रांड छवि काफी मजबूत हुई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जयपुर ज्वैलर्स द्वारा विश्व के ट्रैंड्स को अपनाने की सराहना की, जो उद्योग में नए मानक स्थापित कर रहा है।उद्घाटन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और विशिष्ट अतिथि निर्मल कुमार बरड़िया, प्रमोद डेरेवाला और संयम मेहरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई।इसके बाद मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा जेजेएस शो गाइड का विमोचन किया गया।

हाईवे चैकिंग में पकडे गयें बिजली चोरी / दुरूपयोग के 41 प्रकरण, लगाया 64 लाख का जुर्माना

चमकता राजस्थान

- **जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्र में आने वाले समस्त हाईवे पर सतर्कता जांच कार्यवाही का अभियान रहेगा जारीः- महेंद्र कुमार शर्मा**

जयपुर (खलील कुरैशी) सतर्कता शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन में जयपुर से शाहजहांपुर हाईवे,जयपुर से दूदू हाईवे तथा टोंक से जयपुर हाईवे पर संचालित होटलों, ढाबो, रेस्टोरेन्टों, पेट्रोल पम्प इत्यादि की सतर्कता जांच के लिए 14 विशेष सतर्कता जांच दलों का गठन किया जाकर दिनांक 19.12.2024 की रात्रि को एक विशेष जांच अभियान चलाया गया।अभियान में सतर्कता शाखा के अंतर्गत कार्यरत उप अधीक्षक पुलिस (सतर्कता), अधिशाषी अभियंता (सतर्कता), सहायक अभियंता (सतर्कता) एवं थानाधिकारी, विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थानों द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही की गयी। टीमों द्वारा 60 परिसरों की सतर्कता जांच की गयी, जिनमें से 41 परिसरों में विद्युत चोरी / दुरूपयोग पाया गया। टीमों द्वारा विद्युत चोरी / दुरूपयोग करने के साक्ष्यों / फोटो लेकर 41 वीसीआरस भरी जाकर करीब 64 लाख का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही 5 मीटर संदेहास्पद भी पाये गये है, जिन्हें जब्त कर लिया गया है एवं इनकी शीघ्र ही उपभोक्ता की उपस्थिति में लैब में जांच करवायी जावेगी एवं लैब रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।सतर्कता जांच टीमों में सतर्कता शाखा के अंतर्गत कार्यरत (1) अनुराग लाटा, उप अधीक्षक पुलिस (सतर्कता) जयपुर (2) हजारी लाल खटाना, उप अधीक्षक पुलिस (सतर्कता) अलवर, (3)ए.के.जैन-एक्सईएन (सतर्कता जेसीसी), (4) सी.एस. भंसाली, एक्सईएन (सतर्कता-जेपीडीसी) (5) विकास बंसल, एक्सईएन (सतर्कता) अलवर (6) विजय सिंह मीना-एक्सईएन (सतर्कता) टोंक तथा अन्य सहायक अभियंता (सतर्कता) व थानाधिकारी, विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाना शामिल थे।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्र में आने वाले समस्त हाईवे पर सतर्कता जांच कार्यवाही का अभियान जारी रहेगा तथा विद्युत चोरी/दुरूपयोग करने वालों की धरपकड की जाकर उनके विरूद्ध विद्युत थानों में नियमानुसार मुकदमा दर्ज करवाया जायेगा।

राज्य व केन्द्र की संस्थाओं द्वारा परस्पर सहयोग से गुणवत्ता पूर्ण एक्सप्लोरेशन पर जोर

वर्ष 2025-26 में राज्य व केन्द्र की खनिज खोज संस्थाओं द्वारा 130 से अधिक खनिज एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट का संचालन होगाः टी रविकान्त

आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते हुए क्रिटिकल और स्टेट्रेजिकल मिनरल्स के खोज पर खास फोकस

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 दिसंबर। वर्ष 2025-26 में राजस्थान के माइंस एवं भूविज्ञान, आरएसएमईटी, जियोलोजिकल ऑफ सर्वे ऑफ इंडिया सहित केन्द्र व राज्य की संस्थाएं 130 से अधिक खनिज एक्सप्लोरेशन परियोजनाओं का संचालन करेंगी। माइंस, जियोलोजी एवं पेट्रोलियम विभाग के शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि माइंस एवं जियोलोजी विभाग द्वारा 34 एक्सप्लोरेशन परियोजनाओं पर खनिज खोज का कार्य किया जाएगा, वहीं जीएसआई द्वारा मिशन- 1 के तहत एक लिग्नाइट एक्सप्लोरेशन कार्यक्रम सहित 16 एक्सप्लोरेशन कार्यक्रम और मिशन- 2 में 80 प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही

एमईसीएल सहित केन्द्र की अन्य संस्थाओं द्वारा भी खनिज खोज कार्य किया जाएगा।टी. रविकान्त ने शुक्रवार को आरआईसी में स्टेट जियोलोजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड की बैठक में बताया कि राज्य में प्रचुर मात्रा में विविध खनिज होने के साथ ही खनिज एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। आगामी वर्ष में विभाग व आरएसएमईटी द्वा-रा 2 फेरस मेटल, 2 बेस मेटल, 8 लाइमस्टोन, 2 डायमेंशनल स्टोन और 20 अन्य खनिजों एक्सप्लोरेशन परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। उन्होंने राज्य में माइंस सेक्टर में कार्य कर रही राज्य व केन्द्र की सभी संस्थाओं से परस्पर सहयोग व समन्वय से गुणवत्ता पूर्ण एक्सप्लोरेशन पर जोर दिया। रविकान्त ने मेजर और माइनर मिनरल क्षेत्र में देश भर में लीड लेते हुए किये जा रहे कार्यों के लिए निदेशक माइंस व उनकी पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमें क्रिटिकल और स्टेट्रेजिकल मिनरल्स के खोज व खनन कार्य को और अधिक तेजी से बढ़ाना होगा।माइंस निदेशक भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन व डिपोजिट्स के खोज व खनन कार्य को आगे बढ़ाने में एसजीपीबी की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मिनरल ब्लॉकों व प्लॉटों का ऑक्शन कर राज्य में रोजगार और रेवेन्यू दोनों को ही बढ़ावा दिया जा रहा है उपमहानिदेशक जीएसआई अनिन्ध्य भट्टाचार्य ने कहा कि खनिजों की दृष्टि से राजस्थान देश का प्रमुख प्रदेश है। जीएसआई मिशन मोड पर कार्य कर रही है। जीएसआई के निदेशक हरीश मिस्त्री ने बताया कि राज्य में डायमण्ड के अलावा करीब- करीब सभी तरह के खनिजों के संकेत है। जीएसआई थल, जल और नभ तीनों क्षेत्रों में ही काम कर रहा है और मिशन- 1 के तहत मेपिंग का काम हो रहा है।

एएमडी के क्षेत्रीय निदेशक एस. के. शर्मा ने रेयर अर्थ, यूरेनियम और प्लेटिनियम के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। एमईसीएल के श्री आशीष सिंह ने प्रदेश में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी अतिरिक्त निदेशक जियोलोजी एसएन डोडिया ने विभाग द्वा-रा एक्सप्लोरेशन, डेलिनियेशन और ऑक्शन की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी वर्ष 34 प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जाएगा।आरएसएमईटी के मुख्य कार्यकारी एनपी सिंह ने आरएसएमईटी द्वारा 107 माइनिंग लीज ब्लॉक तैयार किये गए हैं, वहीं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर विभाग की लेब, ड्रिलिंग विंग को सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरमेट द्वारा सोशियल मीडिया के प्रभावी उपयोग से ऑक्शन के प्रभावी परिणाम प्राप्त हो सके हैं।कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर सेवानिवृत होने वाले विभाग के इरशाद अली और एएमडी के एसके शर्मा को समृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गयाबैठक में विभाग के जियोलोजी विंग के अधिकारी एडीजी जयपुर आलोक प्रकाश जैन, एसजी संजय सक्सैना, संजय दुबे संजय गोस्वामी, सुशील हुडा, नितिन चौधरी, महेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी, जीएसआई, एमईसीएल, एएमडी, आरएसएमएम भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सहकार से समृद्धि योजना की समीक्षा

- प्रदेश में सहकारिता की योजनाओं से अधिक से अधिक प्रदेशवासी होंगे लाभान्वित
- सहकारी बैंकों में अधिक से अधिक खोले जायेंगे खाते और जारी होंगे रूपे कार्ड

चमकता राजस्थान जयपुर!(खलील कुरैशी) 20 दिसम्बर। शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मंजू राजपाल ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के माध्यम से लोगों को लाभान्वित करने के लिये सहकारी बैंकों का आधुनिकीकरण करते हुये अधिक से अधिक लोगों के खाते खुलवाने के लिये प्रेरित किया जायेगा ताकि वे सहकारी योजनाओं के तहत पात्रता के अनुसार लाभ ले सके। उन्होंने बताया कि सहकारी बैंकों के खाताधारकों को रूपे कार्ड जारी किये जायेंगे ताकि वे आधुनिक बैंकिंग की समस्त सुविधायें डोर-स्टेप पर एक क्लिक में प्राप्त कर सके। राजपाल ने बताया कि सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. आशीष कुमार भूटानी द्वारा शासन सचिवालय में शुक्रवार को सहकार से समृद्धि योजना की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रदेश की पैक्स कम्प्यूटराइजेशन की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया तथा शेष पैक्स की जल्द अनुमति जारी करने के लिये आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सहकारी उद्यमियों को अपने उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय बाजार में विक्रय करने और अधिक रोजगार उत्पन्न करने के लिये उन्हें राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एन.सी.ई.एल.) से जुडना चाहिये ताकि उन्हें बेहतर अवसर मिल सकें।रजिस्ट्रार, सहकारिता ने बताया कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में जैविक खेती की जाती है, लेकिन उनके जैविक उत्पादों को उचित मूल्य एवं बाजार उपलब्ध नहीं हो पा रहा था, इसके लिये भारत सरकार की पहल पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. (एन.सी.ओ.एल.) संस्था का गठन किया गया है।

सहकारिता विभाग के स्तर से प्रदेश के जैविक उत्पादों के क्रय-विक्रय का कार्य करने वाली सहकारी संस्थाओं को एन.सी.ओ.एल से जोडा जायेगा ताकि उनके सदस्यों को उत्पादों का अच्छा मूल्य मिल सके राजपाल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 31 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक कार्य कर रही हैं। प्रदेश में सहकारी साख की सुलभ उपलब्धता के लिये 4 से 5 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों के गठन की संभावना को तलाशा जायेगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं से आ''ान किया कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बीज तैयार करने के लिये सीड फार्म स्थापित किये जाये ताकि स्थानीय आवश्यकता पूरी होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे।उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग एवं डेयरी विभाग के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुये सहकारी संस्थाओं का गठन किया जायेगा ताकि परिवार को कोई भी सदस्य सहकारिता के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि सहकारिता ही वह माध्यम है जिसके द्वारा सदस्यों का सर्वांगीण विकास संभव है। समीक्षा बैठक में सहकारिता विभाग के सभी फंक्शनल अधिकारी उपस्थित थे।

सरपंच ग्राम पंचायत बरनावदा (खण्डार) रिश्वत मांगने का प्रकरण दर्ज

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) रामभरत बैरवा उर्फ भरत सूर्यवंशी, सरपंच, ग्राम पंचायत बरनावदा, तहसील खण्डार, जिला सवाई माधोपुर द्वारा परिवादी के बालेर रोड पर स्थित कब्जा शुदा प्लाट का पट्टा बनाने के लिए ग्राम पंचायत बरनावदा सरपंच भरत सूर्यवंशी द्वारा उक्त प्लांट का पट्टा नहीं बनाने का दबाव बना कर का पट्टा बनाने की एवज में 50,000 रूपये प्राप्त करना तथा 2 लाख रूपये की मांग की गई। दौराने रिश्वत मांग सत्यापन दिनांक 09.09.2024 को भरत

सूर्यवंशी द्वारा परिवादी से दो लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परिवादी द्वारा कम करने का निवेदन करने पर एक लाख अस्सी हजार रूपये पर सहमत होने की पृष्ठी होना पाया गया। वक्त ट्रेप कार्यवाही दिनांक 28.09.2024 को किसी परिवादी के बताये अनुसार व परिवादी द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रानुसार आरोपी सरपंच को परिवादी द्वारा करवाई जा रही ट्रेप कार्यवाही की भनक लगने के कारण रिश्वत राशि प्राप्त नही और मौके से फरार हो गया। इस पर एसीबी द्वारा उक्त शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई।

नसीराबाद उपखंड अधिकारी यादव का औचक निरीक्षण

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक

श्रीनगर /अजमेर। शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारी द्वारा नगरपालिका कार्यालय नसीराबाद का औचक निरीक्षण किया गया। वक्त निरीक्षण कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का जांचने पर दो कार्मिकों अनुपस्थित पाए गये। इस बाबत संबंधित नियंत्रण अधिकारी(अधिशाषी अधिकारी) को संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार

कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया इसके साथ ही नगरपालिका नसीराबाद में स्थित अन्नपूर्णा रसोई का भी औचक निरीक्षण किया गया। वक्त निरीक्षण अन्नपूर्णा रसोई में खाना खाने वाले लाभार्थियों की ऑनलाइन पोर्टल पर मोबाइल नंबर दर्ज नहीं होने के कारण इस बाबत अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका नसीराबाद को जांच करने हेतु निर्देशित किया गया। सर्दी के मौसम को देखते हुए रैन बसेरे का भी निरीक्षण किया गया एवं मुख्य अधिशाषी अधिकारी छावनी परिषद् नसीराबाद को रेन बसेरे को शीतकालीन अवधि को देखते हुए नियमित रूप से चालू रखने बाबत जरिये पत्र अवगत कराया गया।

श्रीनगर / प्रशासन गांवो की ओर के तहत दूसरे दिन भी जनसुनवाई

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक

श्रीनगर/अजमेर /नसीराबाद। श्रीनगर जनसुनवाई में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखी। उपखंड अधिकारी नसीराबाद देवी लाल यादव ,तहसीलदार ममता यादव वह विकास अधिकारी महेश चौधरी ने ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी । पंचायत समिति के कनिष्ठ सहायक रोहित आश्रम वाले बताया की जनसुनवाई में। आए कुल 10 प्रकरणों का निस्तारण किया गया पेंशन सत्यापन के दो प्रकरण उपाय पेंशन निरस्तीकरण के दो प्रकरण आए। जानकारी के अनुसार जिला वादा के सलीम बेग ने गांव में विद्युत पोल पर ढीले पड़े तारों से हादसा होने की जानकारी देते हुए उन्हें दुरुस्त करने की मांग रखी। जिलावड़ा के उम्मीद बैग ने यहां ग्राम मे पंचायत की ओर

से सफाई करवाने की मांग की। बाघसुरी की भंवर कंवर तथा गादेरी के महाराम मृत्यु होने पर पेंशन निरस्त करने का परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र दिया। झड़वासा के गणेश खारोल ने जॉब कार्ड जारी करने का प्रार्थना पत्र दिया। श्रीनगर के सोनू रावत ने बच्चों के पालन पोषण के लिए पोषाहार नहीं मिलने की बात कही ।महिलाएं बाल विकास विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में पेंशन सत्यापन के दो व पेंशन निरस्तीकरण के दो प्रकरण प्रस्तुत किए गए।जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव ने कहा कि 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के दौरान विभिन आयोजित किए जाएंगे। पंचायत समिति मुख्यालय पर सुशासन शिविर का 11:00 से 2:00 बजे तक सुशासन शिविर का आयोजित किया जाएगा। शिविर में समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शिविर के दौरान संपर्क पोर्टल व समस्त प्रकार की जनसुनवाई में प्राप्त परिवेवदनों का निरस्त निस्तारण किया जाकर निस्तारित परिवेदनाओं की प्रगति रिपोर्ट सरकार को सौपी जाएगी राजस्थान लोक सेवाओं को प्रदान गारंटी अधिनियम 2011 के तहत प्राप्त समस्त आवेदनों का निस्तारण किया जाएगा। फोटो कैप्शन श्रीनगर। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांवो की ओर जनसुनवाई मे मौजूद खंड अधिकारी देवी लाल यादव व अधिकारी गण।

झालावाड़ जिला कारागृह पर साथी जवानों पर जान से अंधाधुंध फायरिंग करने वाला आरएसी जवान राउण्डअप

- कोतवाली थाना पुलिस के कांस्टेबल चन्द्रशेखर ने साहस दिखा लोड रायफल को जवान से कब्जे में लेकर बड़ी अनहोनी को टाला
- आपसी विवाद को लेकर कारागृह कोत से जबरन इंसास रायफल निकाल साथी जवानो पर की सात राउंड फायरिंग

चमकता राजस्थान। जयपुर/झालावाड़ (खलील कुरैशी)। झालावाड़ जिला कारागृह में तैनात आरएसी का एक जवान गुरुवार देर रात साथी जवानों से कहासुनी होने पर आक्रोश में आकर कोत से जबरन आधुनिक हथियार इंसास रायफल निकाल कर ले आया। जिसे लोड कर साथी जवानों पर उसने अंधाधुंध 07 राउण्ड फायर कर दिये। फायरिंग में एक जवान के हाथ में गोली लगने से घायल हो गया, दो जवानों ने भाग कर जान बचाई और दो तालाब में कूद गए। सूचना पर मौके पर पहुंची थाना कोतवाली पुलिस की टीम ने अदम्य साहस दिखाते हुए आरोपी कांस्टेबल से हथियार अपने कब्जे में ले उसे राउंडअप किया वहीं तालाब में कूदे दो जवानों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10.30 बजे सूचना मिली कि जिला कारागृह पर फायरिंग की घटना हुयी है। फायरिंग करने वाला रस का जवान राम सिंह मीणा पुत्र प्रहलाद निवासी अभयपुर थाना चौथ का बरवाड़ा सवाई माधोपुर अपने साथियों को जान से मारने के लिए ढूंढ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुये तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा व वृत्ताधिकारी हर्षराज सिंह खरेडा एवं थानाधिकारी कोतवाली चन्द्रज्योति शर्मा मय टीम के वारदात स्थल पहुंची ।दूर एक कांस्टेबल का जवान हाथ में हथियार लेकर खड़ा हुआ नजर आया। पुलिस टीम आरोपी जवान राम सिंह के नजदीक पहुंची और उसे हथियार नीचे रखकर सरेण्डर करने के लिए समझाया। लेकिन जवान ने उल्टे रायफल पुलिस टीम के ऊपर ही तान दिया। इस पर कोतवाली पुलिस के जवान चन्द्रशेखर ने अपनी जान जोखिम में डालकर बडी सूझ-बूझ से जवान रामसिंह के कब्जे से लोड रायफल को अपने कब्जे में लिया। रायफल की मैग्जीन में 13 राउण्ड जिंदा मिले। फायरिंग के डर से जो दो जवान सामने तालाब में कूद गये थे, उन्हें रेसक्यू कर बाहर निकाला गया मौके पर मौजूद जेल स्टॉफ के जवानों से घटना के बारे में जानकारी ली गयी तो उन्होंने बताया कि आपसी विवाद को लेकर राम सिंह ने अपने साथियों पर अंधाधुंध 07 राउण्ड फायरिंग की, जिसमे कांस्टेबल अशोक के हाथ में गोली लगी है, जिसे अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल में जवान अशोक के पर्चा बयान पर फायरिंग करने वाले जवान राम सिंह के विरूद्व रिपोर्ट दर्ज की गयी। वारदात में प्रयुक्त इंसास रायफल मय जिन्दा कारतूस जब्त की गई। सुबह निरीक्षण करने पर घटना स्थल से 04 कारतूसों के खाली खोखे जब्त किये गये है। राउण्डअप किये गये आरएसी जवान राम सिंह मीणा से फायरिंग की घटना व अन्य तथ्यों के बारे में अनुसधांन किया जा रहा है। इस कार्रवाई में एसएचओ चन्द्रज्योति शर्मा व एसएचओ चन्द्रशेखर की विशेष भूमिका रही जिन्होंने अपनी सूझ-बूझ व साहस से लोड रायफल इंसास को अपने कब्जे में बडी अनहोनी टाल दी। पुलिस टीम में इनके अतिरिक्त एएसआई रघुनाथ प्रसाद, गोपी रमण पाटीदार, हेड कांस्टेबल भगवान सिंह, भेरूलाल, किशोर कुमार, रमेश चंद, कांस्टेबल रवि सिंह, अंकुश, आरिफ, शैतान मांजू, हंसराज व अमित शामिल थे।

बाड़मेर जिले में डीएसटी व थाना रीको पुलिस की बड़ी कार्रवाई

20 लाख रुपये कीमत के मादक पदार्थ पकड़े, किराणे की दुकान की आड़ में चला रखा था नशे का कारोबार

चमकता राजस्थान

जयपुर/झालावाड़ !(खलील कुरैशी) 20 दिसम्बर। झालावाड़ में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जिले की स्पेशल टीम एवं थाना रीको पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए किराणे की दुकान की आड़ में नशे का कारोबार कर रहे आरोपी दमा राम जाट पुत्र देराज राम निवासी शेरपुरा लीलसर थाना चौहटन को गिरफ्तार किया है। दबिश के दौरान आरोपी की दुकान से पुलिस ने 20 लाख रुपए कीमत का 82 किलो 710 ग्राम डोडा पोस्त एवं एक किलो 450 ग्राम अफीम जब्त की गई है।एसपी नरेन्द्र सिंह मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि आईजी जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार मादक पदार्थो की जब्ती व अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा

रहा है। इसके लिए जिला स्पेशल टीम व समस्त थानाधिकारियों को निर्देश दिये गये। जिनके द्वारा शहर बाड़मेर व आस पास के क्षेत्रों त्मे मादक पदार्थ रखने व बेचने वालो व तस्करों पर निरन्तर निगरानी रखी जा रही थी।इसी दौरान डीएसटी टीम को सूचना मिली कि थाना रीको के विष्णु कॉलोनी में स्थित एक दुकान मे भारी मात्रा मे मादक पदार्थ छुपा कर रखा गया है। सूचना पर डीएसटी प्रभारी एएसआई

82 किलो 710 ग्राम डोडा पोस्त, 1 किलो 450 ग्राम अफीम सहित आरोपी दुकानदार गिरफ्तार

अमीन खान एवं एसएचओ रीको मनोज सामरिया के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा आरोपी दमाराम जाट की किराणे की दुकान मे दबिश देकर तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान दुकान मे भारी मात्रा मे मादक पदार्थ पाया गया। मौके से टीम ने दुकान मे छुपा कर रखा 82 किलो 710 ग्राम डोडा पोस्त, 1 किलो 450 ग्राम अफीम बरामद करने मे सफलता हासिल की, बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रूपये आंकी गई है अभियुक्त दमाराम जाट लम्बे समय से मादक पदार्थ तस्करी मे संलिप्त है, जिसके विरूद्ध पूर्व मे मादक पदार्थ तस्करी के 2 प्रकरण थाना कोतवाली बाड़मेर व थाना बीछवाल बीकानेर एवं मारपीट के दो प्रकरण थाना चौहटन में दर्ज है। आरोपी किराणा दुकान की आड़ मे मादक पदार्थ बेचने का कार्य करता था। अभियुक्त से गहनता से पूछताछ की जाकर मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त मे लिप्त व्यक्तियों का पता लगाया जा रहा है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे डीएसटी टीम का अहम योगदान रहा है। टीम प्रभारी एएसआई अमीन खां की विशेष भूमिका रही है। उक्त कार्रवाई में शामिल डीएसटी व थाना रीको की टीम के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन यात्री सुरक्षाः 10 लाख के आभूषणों के साथ 3 शातिर चोर गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। आगरा। दिनांक 16.12.2024 को निजामुद्दीन-मुंबई राजधानी एक्सप्रेस से आगरा छावनी स्टेशन पर हुई यात्री सामान चोरी के मामले में क्राइम विंग (D&I) आगरा ने सीसीटीवी सर्विलांस के आधार पर संदिग्धों को पहचान कर, जीआरपी आगरा छावनी के साथ मिलकर अपराधियों के ठिकाने का पता लगाया।आज, 19.12.2024 को, मुखबिर की सूचना पर क्राइम विंग (D&I) आगरा, जीआरपी आगरा छावनी और रे.सु.ब. आगरा छावनी स्टाफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ग्यासपुरा, आगरा में शशिकांत के किराए के मकान से 01 पुरुष और 02 महिला शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के चुराए गए आभूषण बरामद हुए। आरोपियों ने बताया कि ये आभूषण राजधानी एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनों से आगरा छावनी स्टेशन पर यात्रियों से चुराए गए थे।

गिरफ्तार अभियुक्तः 1.चंदन उर्फ चंदू (36 वर्ष), निवासी दिल्ली, वर्तमान में ग्यासपुरा, आगरा 2.वंदना (33 वर्ष), पत्नी चंदन उर्फ चंदू, निवासी ग्यासपुरा, आगरा 3. करिश्मा (26 वर्ष), पत्नी महिपाल, निवासी ग्यासपुरा, आगरा

- **बरामदगीः**

1.सोने के एक जोड़ी टॉप, 2. सोने की एक चैन में खुशी लिखा लाकेट, 3. सोने की एक चैन, 4. सोने की अंगूठी 5. सोने की एक चैन में 'र' लिखा लॉकेट, 6. सोने की अंगूठी पट्टी के आकार, 7. सोने का पेंडल मय काले मोतियों की माला, 8. सोने के कान के झाले, 9. सोने का कंगन, 10. सोने का मंगलसूत्र, 11. सोने की दो अंगूठी, 12. सोने का पेंडल मय मोतियों की माला, 13. चांदी की एक जोड़ी पायल, 14. नकद 1700/- रुपये। बरामद चोरित आभूषणों की कुल कीमत लगभग 10 लाख रुपये है।

- **गिरफ्तारी टीमः**

क्राइम विंग (D&I)/आगराः 1. अरकराजा राम मीना, 2. उळ संदीप नगाइच, रे.सु.ब./पोस्ट/आगरा छावनीः 3. म. कॉ. रेखा कुशवाहा, 4. म.कॉ. मीना खातून जीआरपी आगरा छावनी : 5. रकमोहित कुमार,

भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दुष्प्रचार करने में जुटे हैं : गहलोत

चमकता राजस्थान। जयपुर 20 दिसंबर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने श्योशल साइट एक्स पर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा षडयंत्र रच किया गया कार्य जो इतिहास में ऐसा पहली बार देखा गया है कि सत्ताधारी सांसद बाहुबल के दम पर विपक्षी सांसदों को सदन में प्रवेश करने से रोका हो और दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की कर उन्हें चोट पहुंचाने का प्रयास किया हो।

इसके बावजूद भाजपा पूरी बेशर्मी के साथ राहुल गांधी पर आरोप लगा रही है। सब जानते हैं कि राहुल गांधी की सोच, व्यवहार एवं चिंतन सच्चाई की राह पर चलकर मानवमात्र की सेवा करने का है। अहिंसा, प्यार, मोहब्बत एवं भाईचारा के साथ जनसेवा करना उनकी प्रतिबद्धता में शामिल है। अन्यथा ऐसे ही कोई 4,000 किलोमीटर की यात्रा नहीं कर सकता। गहलोत ने लिखा कि गांधी परिवार का अंहिसा में इतना विश्वास है कि राजीव गांधी के हत्यारों के मृत्युदंड को भी माफ कर दिया था। राहुल गांधी पर सुबह आरोप लगाए गए और शाम को ऋक्र दर्ज कर ली गई जो दिखाता है ये साजिश के तहत किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिखा कि हमारे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं अन्य सांसदों के साथ भाजपा सांसदों ने जो बदसलूकी और धक्का-मुक्की की उसका कोई जिक्र ही मीडिया में नहीं है। गुरुवार को हुई इस घटना के सीसीटीवी फुटेज क्यों जारी नहीं किए गए? कहीं ऐसा तो नहीं इन फुटेज से भाजपा की सहूलियत के मुताबिक छेड़छाड़ कर जारी किया जाएगा? उन्होंने लिखा कि यह किसी बहुत बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है जिसमें सरकार, अधिकारी एवं मीडिया मिलकर राहुल गांधी के खिलाफ दुष्प्रचार करने में जुटे हैं। परन्तु देश की जनता राहुल गांधी को पहचानती है इसलिए ऐसे दुष्प्रचार का कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

कांग्रेस में गुटों को बढ़ावा दे रहे हैं गोविंद सिंह डोटासरा ?

चमकता राजस्थान (अत्री कुमार दाधीच)। जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर गुटबाजी देखने को मिली जब प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान एक लघु फ़िल्मि दिखाई गई , जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट को दरकिनार कर लघु फ़िल्मि में मात्र प्रदेश अध्यक्ष के संघर्ष को दिखाया गया ,चर्चा है कि कांग्रेस सत्तासीन नहीं होते हुए भी कई गुटों में विभाजित दिखाई दे रही है इन गुटों को मज़बूती देने का काम स्वयं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कर रहे हैं प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार की नाकामी पर जो एक वर्ष का लेखा जोखा बताया वह पिछले छह महीने से राग अलाप रहे थे वोही गुरुवार को दोहराया गया ,यही नहीं एक लघु फ़िल्मि का प्रदर्शन किया गया इसमें स्वयं को सबसे ऊपर दिखाने का प्रयास किया गया जबकि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं राष्ट्रीय महामंत्री सचिन पायलट ने बीते एक साल में सरकार के ख़िलाफ़ कई मुद्दों को जनता के सामने रखा है यही नहीं सचिन पायलट ने उपचुनावों के दौरान टोंक,सवाई माधोपुर,दौसा में जनहित के मुद्दों को लेकर कई सभाएँ की थी इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर सरकार को घेरते रहे हैं अभी हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री के बयान को लेकर कांग्रेस के दिये गए धरना एवं ज्ञापन कार्यक्रम में दोनों नेता अग्रणी रहे , मिली जानकारी के अनुसार गोविंद सिंह डोटासरा इनके समर्थकों को साइडलाइन करने में लगे हुए हैं यही नहीं गोविंद सिंह डोटासरा की टीम में अधिकांश संघ पृष्ठभूमि से जुड़े लोग काम कर रहे हैं ये लोग जिसे चाहे उसे आने दे रहे हैं जिसे चाहे नहीं आने दे रहे,यही नहीं चर्चाएँ ये भी हैं की उन्होंने पत्रकारों के गुट भी बनवा दिए हैं इन नेताओं के चलते कांग्रेस विचारधारा के व्यक्तियों को साइडलाइन कर संघ पृष्ठभूमि के लोग सक्रिय हो रहे हैं ऐसा प्रतीत होता है कि गांधी नेहरू की विचारधारा वाली कांग्रेस प्रदेश में धीरे धीरे लुप्त होती जा रही है उसके स्थान पर संघ पृष्ठभूमि के व्यक्ति सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता नज़र आ रहे हैं जबसे गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश बने उसके बाद से कांग्रेस के जाट नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए इसके पीछे क्या कारण रहै ये आलाकमान ने जानने का प्रयास नहीं किया ,गोविंद सिंह डोटासरा सचिन पायलट समर्थक एवं अशोक गहलोत समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने से भी नहीं चूकते यही वजह है कि गुलज़ार रहने वाला इंद्रा गाँधी भवन वीरान नज़र आने लगा है यही हालात रहे तो आगे आने वाले समय में संगठन को धरातल में जाने से कोई नहीं रोक पाएगा।

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

2350 करोड़ की लागत से ब्लैक स्पॉट्स सुधारने के कार्य शीघ्र पूरे करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, 20 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं मे कमी लाने के लिए विशेष अभियान चलाकर ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए ताकि वाहन दुर्घटनाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान कार्यों की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए और कामों को निर्धारित अवधि में पूरा करवाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 2350 करोड़ की लागत से ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने का काम किया जा रहा है ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाये। गौरतलब है कि प्रदेश में एनएचएआई द्वारा 40 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर 812.64 करोड़ रुपए की लागत से इन्हें सुधारने का कार्य किया जा रहा है, जिनमें से 13 का काम पूरा हो चुका है तथा शेष का प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार, प्रदेश में एनएचएआई 821.51 करोड़ की लागत से 37 अन्य चिन्हित ब्लैक स्पॉट को सुधारने के कार्य भी शीघ्र शुरू करने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में एनएच द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ लगभग 650 करोड़ की लागत से 176 ब्लैक स्पॉटस को सुधारने का काम किया जा रहा है। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चिह्नित 117 ब्लैक स्पॉटस को 31 मार्च 2025 तक ठीक कर दिया जाएगा। राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा भी चिन्हित 30 ब्लैक स्पॉट के सुधार के कार्य 21.72 करोड़ रुपए की लागत से करवाए जा रहे हैं, जो आगामी जनवरी तक पूरे हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त 4 सड़कों पर 20.34 करोड़ रुपए की लागत से सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सुधार कार्य करवाए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय वित्त की अध्यक्षता में आयोजित बजट-पूर्व बैठक में लिया भाग

चमकता राजस्थान

जयपुर। जैसलमेर में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में आयोजित बजट-पूर्व बैठक में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों (विधायकमंडल सहित) के वित्त मंत्रियों के साथ भाग लिया। बैठक में विकसित भारत को लेकर कार्य योजना और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य पर गहन चर्चा हुई।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह बैठक देश के आर्थिक भविष्य को मजबूत बनाने और विकास की दिशा में नए कदम उठाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वीर भूमि राजस्थान में इस बैठक का आयोजन समस्त प्रदेश वासियों के लिए गर्व के क्षण है।

प्रशासन गांवों के संग अभियान 2024: पंचायत समिति प्रांगण में जनसुनवाई, कई परिवादों का मौके पर निस्तारण

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। आज दिनांक 20 दिसंबर 2024 को जिला कलेक्टर की उपस्थिति में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। यह जनसुनवाई 19 दिसंबर 2024 से 24 दिसंबर 2024 तक चल रहे, प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत पंचायत समिति प्रांगण में की गई। जिला कलेक्टर धौलपुर, श्रीनिधि बीटी द्वारा इस अवसर पर जनसुनवाई की गई, जिसमें कई लंबित परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों के पास पेंडेंसी लंबित हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जाए, और सभी लंबित परिवादों का निस्तारण 23 दिसंबर 2024 तक अनिवार्य रूप से किया जाए। जनसुनवाई में एसडीएम बाड़ी हेमंत घनघोर, पंचायत समिति बाड़ी विकास अधिकारी राम बोलसिंह गुर्जर, अरीपत श्रीवास्तव (सीडीपीओ बाड़ी), उत्तम बंसल (नायब तहसीलदार), श्याम बिहारी (ईओ नगर पालिका बाड़ी), डॉ. हरिकिशन मंगल (पीएमओ बाड़ी), देशराज गुर्जर (एईएन जलदाय विभाग बाड़ी), राजेश बाबू (समाज कल्याण विभाग) और दिलीप बाबू (पंचायत समिति बाड़ी) सहित कई अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारियों से निर्देश दिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन के कामकाजी स्तर को सुधारने के लिए पूरी सक्रियता से काम करें, और सुनिश्चित करें, कि प्रशासन गांवों तक पहुंच सके। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम स्तर पर लोगों के मुद्दों का शीघ्र निस्तारण और सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना है। कलेक्टर ने अधिकारियों से यह भी कहा कि गांवों में प्रशासन की पहुंच को और मजबूत करने के लिए उनकी टीमों का समन्वय बेहतर बनाना जरूरी है। यह अभियान प्रशासन और ग्रामवासियों के बीच पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को तत्काल राहत मिल रही है।

नगर पालिका सदस्य पद उप चुनाव 9 जनवरी को मतदान, 10 जनवरी को परिणाम

- चुनाव घोषणा के साथ ही अचार संहिता लागू

चमकता राजस्थान। फुलेरा (दामोदर कुमावत)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान के 19 दिसंबर 2024 के अनुसार आयोग द्वारा राज्य की नगरीय निकायों में 31 अगस्त 2024 तक विभिन्न कर्म से रिक्त पदों पर उपचुनाव करने का निर्णय लिया गया है अतः उक्त आदेशों की पालना में सदस्य पद के लिए नियमानुसार दिनांक संपादित की गई है। नगर पालिका मंडल अधिशासी अधिकारी शिवराज कृष्णा ने बताया कि लोक सूचना जारी करने की तिथि 26.12.24 गुरुवार, नामांकन पत्रों को प्रस्तुत करने कीअंतिम तिथि30. 12. 2024 सोमवार प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक,28 व 29 दिसंबर 24 को छोड़कर, नामांकन पत्रों की समीक्षा की तिथि 31.12.2024 को प्रातः 10:30 बजे से, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 02.01.25 गुरुवार अपराह्न 3:00 बजे, चुनाव चीन्हो का आवंटन 03.01 .25 शुक्रवार, मतदान की तिथि व समय09.01.25 गुरुवार 8:00 बजे से अपराह्न 5:00 तक, मतगणना की तिथि एवं समय 10.01.2025 प्रातः 9:00 बजे से। उपचुनाव कार्यक्रम आयोजित होगा अधिशासी अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है जो चुनाव प्रक्रिया समाप्ति तक लागू रहेंगे। इसके लिए नगर पालिका मंडल क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 के रिटर्निंग अधिकारी को सूचनार्थ है।

17 नवीन जिलो में स्थापित होंगे सेंटर

खेलों इंडिया केंद्रों के लिये क्रीड़ा परिषद एवं साई के बीच एमओयू

चमकता राजस्थान

जयपुर। शुक्रवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में शासन सचिव, युवा मामलें एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन की उपस्थिति में मनिकान्त शर्मा-क्षेत्रीय निदेशक-भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) गांधीनगर, गुजरात एवं राजेन्द्र सिंह सिसोदिया-सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मध्य 17 नवीन जिलों में भी खेलो इण्डिया केन्द्र स्थापित करने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। परिषद द्वारा शीघ्र ही इन जिलों में खेलों इंडिया केन्द्रों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि इन केन्द्रो पर केन्द्र सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान से खेल उपकरण एवं खेल प्रषिक्षक उपलब्ध करवाये जाएगें। प्रत्येक केन्द्र हेतु प्रति वर्ष 5 लाख रूपये की अनुदान राषि खेल उपकरण, ब्राण्डिग, मैदानों के रख-रखाव एवं प्रशिक्षकों के मानदेय हेतु भारत सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाती है।

धौलपुर में फुटबॉल सहित 17 नवीन जिलों में भी खेलो इण्डिया केन्द्र स्थापित करने हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी है। नवीन जिलो में ब्यावर में कुश्ती, डीडवाना-कुचामन में बास्केटबॉल, केकड़ी में खो-खो, शाहपुरा में तैराकी, डीग में कुश्ती, गंगापुरसिटी में ताइकवांडो, अनुपगढ़ में एथलेटिक्स, दूदू में खो-खो, जयपुर ग्रामीण में कबडडी, खेरथल-तिजारा में कुश्ती, कोटपूतली-बहरोड में बास्केटबॉल, बालोतरा में वॉलीबॉल, जोधपुर ग्रामीण में कुश्ती, फलौदी में एथलेटिक्स, संचोर में सॉफ्टबॉल, नीम का थाना में कुश्ती, सलूम्बर में फुटबॉल है।

उल्लेखनीये है कि खेलों इंडिया योजनान्तर्गत राज्य के 32 जिलो में खेलो इण्डिया केन्द्रो का संचालन पहले से ही परिषद द्वारा किया जा रहा है।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने फूंका अमित शाह का पुतला,कांग्रेस जन में दिखा रोष

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर भारत रत्न से सम्मानित डॉ भीमराव अंबेडकर जी के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में अपमानजनक टिप्पणी करने पर आज राजकीय महाविद्यालय गवर्नमेंट कॉलेज चौराहे पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अमित शाह का पुतला दहन किया। इस दौरान आमजन और कांग्रेस जन में काफी रोष देखा गया। अमित शाह मुर्दाबाद,अमित शाह इस्तीफा दो,अमित शाह माफी मांगो जैसे नारो से राजकीय महाविद्यालय अजमेर का चौराहा गूंज उठा। भाजपा हाय हाय के नारे भी लगे।सभी वरिष्ठ नेताओं और कांग्रेस जन ने इस अपमान को देश और संविधान का अपमान बताते हुए कड़ी निंदा की। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष विजय जैन,सांसद प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी,पूर्व विधायक नसीम अख्तर इंसाफ,विधायक प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता,दक्षिण विधानसभा विधायक डॉ.द्रोपदी कोली, पूर्व विधायक प्रत्याशी हेमंत भाटी, प्रदेश पदाधिकारी पूर्व विधायक राजकुमार जयपाल, प्रदेश सचिव कैलाश झालीवाल, डॉ लारा, सेवा दल संभाग प्रभारी विजय नागौरा, सेवादल अध्यक्ष देशराज मेहरा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग अजमेर जिला अध्यक्ष पीयूष सुराणा, सोशल मीडिया विभाग देहात अध्यक्ष प्रेम सिंह, मनीष सेन, पूर्व पार्षद प्रताप यादव,महेंद्र सिंह जोधा, नितिन जैन,श्रवण टोनी, सर्वेश पारीक,बिपिन बेसिल, पार्षद नौरत गुर्जर, लक्ष्मी बुंदेल, आरिफ खान, मनीष सेठी, नकुल खंडेलवाल, चंद्रशेखर बालोटिया, शिवराज भड़ाना, नरेश सालीवाल,गुलाम मुस्तफा, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, वाहिद मोहम्मद, लक्ष्मी धोलखेडिया, चंदन सिंह,सुरेश लद्दड़, शमशुद्दीन, मुकेश सबलानिया, सोनल मौर्य, मोक्ष नोनिया, राजेश बोयत, दीपक यादव, अमलोक सिंह छाबड़ा, मनीष शर्मा, महेंद्र कटारिया,सौरभ यादव, आरिफ खान,अंकित घारू, फरहान खान, प्रीतपाल सिंह, महिला अध्यक्ष हितेश्वरी टाक, सोनल मौर्य, मीनाक्षी मीणा,मीनाक्षी यादव, रेणु मेघवंशी, धर्मेंद्र नागवाल, गौरव झालीवाल, अंकुर त्यागी, ईश्वर राजोरिया, कशिश बायला, हनुमान शर्मा, जितेंद्र कुमार चौधरी ,चेतन पंवार, महेंद्र कुमार जोशी,के साथ सैकड़ों लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

नव चयनित प्रतिभाओं का किया सम्मान

चमकता राजस्थान। फलोदी। जिला मुख्यालय पर स्थित प्रभु नगर क्षेत्र की ध्येय क्लासेज द्वारा कनिष्ठ लेखाकार प्रतियोगी परीक्षाओं में बाजी मारने वालो का सम्मान किया गया।
इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक युवतियों को भी नव चयनित पंकज व्यास , उमंग व्यास पुत्री बलदेव व्यास दोनों भाई बहन तथा बैंगटी गांव से फारुख ने अपने संघर्ष व तैयारी की बातें बताई व टिप्स दिए।
इस अवसर पर व्याख्याता विशंभर थानवी व ध्येय क्लासेज के मार्गदर्शक ने कनिष्ठ लेखाकार में चयनित पंकज व्यास,उमंग व्यास व फारुख बैंगटी प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए तथा युवक युवतियों को संबोधित करते हुए समर्पण व कठोर परिश्रम को सफलता का सोपान बताया है ।इस अवसर पर मोहित बोहरा, अनुष्क थानवी,पूनम छंगाणी,स्वरूपा सुथार,प्रियांशी नामा,पूजा जैन,भूमिका बोहरा,भावना पुरोहित,दिव्या पुरोहित,निकिता वैष्णव,ललिता जीनगर आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से करौली-धौलपुर क्षेत्र के सड़क निर्माण को लेकर मुलाकात, चारलेन सड़क और हाईवे क्रमोन्नति पर चर्चा

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। आज केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से धौलपुर करौली सांसद भजनलाल जाटव मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र करौली- धौलपुर के सड़क मार्गों के निर्माण से जुड़े विकास कार्यों पर सार्थक चर्चा की। क्षेत्र में प्रमुख धार्मिक स्थलों श्रीमहावीर जी मंदिर, बालाजी मंदिर और कैलादेवी मंदिर के आसपास भारी वाहनों के आवागमन और चारलेन सड़क की कमी के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं।सामान्य जनमानस की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, मैंने निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गों को चारलेन कराने का अनुरोध किया: 1. एनएच 921 (पिनान से महुआ) 2. एनएच 123 (भरतपुर से धौलपुर) 3. एनएच 118 (धौलपुर से करौली) इसके अलावा, राज्य राजमार्ग महुआ से कैलादेवी वाया हिंडौन को राष्ट्रीय राजमार्ग में क्रमोन्नत कराने का भी प्रस्ताव रखा। इस विषय में मंत्री गडकरी जी ने सकारात्मक आश्वासन दिया और जल्दी ही इस दिशा में कार्रवाई की बात कही।

धौलपुर अवैध गैस भण्डारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 77 गैस सिलेंडर जब्त

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर में अवैध गैस भंडारण के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई है। जिला रसद अधिकारी (ऊड) राहुल जादौन के नेतृत्व में बाड़ी कस्बे के कायस्थ पाड़ा मोहल्ले की घूंघस कॉलोनी स्थित एक मकान में अवैध रूप से रखे गए, 77 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई प्रवर्तन अधिकारी गजेंद्र शर्मा और रसद विभाग की टीम की उपस्थिति में की गई। मकान में बिना अनुमति के गैस सिलेंडरों का भंडारण किया गया था, जो कि सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक है। विभाग की टीम ने सभी गैस सिलेंडरों को जब्त कर लिया और अब मामले की जांच की जा रही है। रसद विभाग द्वारा ऋक्षक्र दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, और अवैध गैस भंडारण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है।

» श्रीनगर ब्लोक के विधालयो में अधीक अंक लाने वालों विद्यार्थियों को लेपटॉप वितरित शिक्षा विभाग द्वारा

एडीजे रेखा यादव ने किया स्पेशल कैंपेन for Old Prisoners & Terminally Ill Prisoners के तहत जिला कारागृह का निरीक्षण

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा जारी दिशा- निर्देशों के पालन में और अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) धौलपुर, सतीश चंद के मार्गदर्शन में, आज दिनांक 20.12.2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव, रेखा यादव ने धौलपुर जिला कारागृह में ररस्पेशल कैंपेन फॉर ओल्ड प्रिजनर्स एंड टर्मिनली इल प्रिजनर्सर के तहत 70 वर्ष से अधिक वृद्ध और गंभीर बीमारी से ग्रस्त कैदियों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान, रेखा यादव ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा 10.12.2024 को लॉन्च किए गए इस विशेष अभियान के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों से बातचीत की। उन्होंने कारागृह में कैदियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे कि भोजन, आवास, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं, रसोईघर, बैरक आदि का निरीक्षण किया। साथ ही, उन्होंने नए बंदियों से भी उनके मामलों में पैरवी हेतु अधिवक्ताओं के बारे में जानकारी ली।
रेखा यादव ने जेल के रसोईघर में जाकर भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव के साथ डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल पप्पू सिंह गुर्जर, असिस्टेंट एलएडीसी दीपक सिंह सिकरवार, कु. मीता अग्रवाल, कु. अराधना शर्मा, प्राधिकरण के आशुलिपिक राहुल डंडोतिया, कनिष्ठ सहायक सुरेन्द्र सिंह और जेल अधीक्षक सुमन मीणा सहित कारागृह का स्टॉफ और बंदीजन भी उपस्थित रहे।

जिला आबकारी विभाग व पुलिस की अवैध देशी शराब निर्माण पर संयुक्त कार्यवाही

- 21700 लीटर वाश व 12 चालू भट्टिया की गई नष्ट
- 108 लीटर अवैध देशी शराब भी की बरामद

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी। चौमहला /झालावाड़। जिला आबकारी विभाग व पुलिस ने सँयुक्त कार्यवाही करते हुवे अवैध देशी शराब तैयार करने की सामग्री 21700 लीटर वाश व 12 चालू भट्टिया की नष्ट व 108 लीटर तैयार अवैध देशी शराब भी की जप्त , आबकारी विभाग द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट के अनुसार जिले के उन्हेल थाना क्षेत्र के गांव अरनिया , टोकड़ा व बामन देवरिया में जिला आबकारी विभाग व पुलिस ने सँयुक्त कार्यवाही करते हुवे 21700 लीटर वाश (देशी शराब तैयार करने की सामग्री) व 12 चालु भट्टिया मौके पर ही नष्ट की ,वही तलाशी के दौरान 108 लीटर तैयार अवैध देशी शराब जप्त की , अवैध देशी शराब बनाने वालों के विरुद्ध की गई इस बड़ी कार्यवाही में जिला आबकारी अधिकारी संतोष कुमार , चौमहला व्रत निरीक्षक प्रदीप मीणा ,व भवानी मंडी ,अकलेरा ,झालावाड़ के आबकारी निरोधक दल के अधिकारियों सहित उन्हेल सी आई ,बाबूलाल थाना प्रभारी ,गंगधार थाना प्रभारी अमरनाथ जोगी मय जाप्ता शामिल रहे ।

जिला धौलपुरः रोजगार मेले के अवसर पर क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। आज, 20 दिसंबर 2024 को जिला धौलपुर में रोजगार मेले के अवसर पर क्रिसिल फाउंडेशन ने वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित किया, जिसमें लगभग 400 युवक-युवतियों ने भाग लिया। इसमें अग्रणी जिला बैंक के आरसेटी डायरेक्टर भूपेंद्र, एफएलसी मैनेजर मदन, क्रिसिल फाउंडेशन के केंद्रीय प्रबंधक तेजबीर गुर्जर, और सीएफएल स्टाफ भानु शर्मा, कोमल सिंह, पूजा चौहान उपस्थित रहे।भूपेंद्र ने ग्रामीणों को सोशल सिक्योरिटी और बैंकिंग वित्तीय योजनाओं के बारे में बताया, जबकि तेजबीर गुर्जर और मदन सिंह ने पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई, और सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी दी। साथ ही, साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए गए और शिकार होने पर 1930 पर कॉल करने की सलाह दी गई। यह कैंप ग्रामीणों को वित्तीय योजनाओं से अवगत कराकर उन्हें बेहतर वित्तीय निर्णय लेने के लिए प्रेरित करने में सहायक रहा।

प्रशासन आमजन के द्वार : सांवरा गांव में आयोजित जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल में ग्रामीणों के खिले चेहरे

- आमजन की समस्याओं को सुनते हुए जिला कलक्टर ने जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

चमकता राजस्थान

फलौदी,20 दिसंबर। जिला कलक्टर एच.एल अटल ने बाप उपखंड के सांवरा गांव में रात्रि चौपाल लगाते हुए ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने विद्युत बिल वितरण,विद्युत कनैक्शन, आधार कैम्प लगवाने, मुआवजा, पेंशन सत्यापन, पट्टे वितरण, सहित अन्य प्रकरण प्राप्त हुए। सभी प्रकरणों को ध्यान से सुनते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारी से जवाब लेते हुए समय पर प्रकरण का गुणवत्ता के साथ निस्तारण कर परिवादी को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।
रात्रि चौपाल में 3 साल से मुआवजे के लिए परेशान फरियादी की परिवेदना सुनते हुए जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी बाप व तहसीलदार को प्रकरण की जांच करते हुए वस्तुस्थिति रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही परिवादी के आवास का पट्टा भी त्वरित देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार विकास अधिकारी को आज तक जारी सभी पट्टो की अद्यतन सूची प्रस्तुत करने व लंबित प्रकरणों के पट्टे टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जारी करने के निर्देश दिए।अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए श्मशान भूमि के प्रकरण पर तहसीलदार को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।
इस दौरान जिला कलक्टर ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लोगों की जानकारी चौपाल में दी गई ।जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों की सूची पंचायत के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने तथा सभी पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने पेंशन सत्यापन के प्रकरणों में समस्या आने पर प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों को राजएसएसपी ऐप के माध्यम से सत्यापन करवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को भी सत्यापन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जिससे किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। रात्रि चौपाल में उपखंड अधिकारी सुखराम पिण्डेल, तहसीलदार अनुपाराम सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

कुसुम योजना में पत्रावलियों का हो शीघ्र निस्तारण - चेयरमैन डिस्कॉम्स

राम मंदिर ओल्ड पावर हाउस स्थित कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने कुसुम योजना में पत्रावलियों के त्वरित, समयबद्ध एवं सुगम निस्तारण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली सुलभ कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता दे रही है। ऐसे में लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी करने के बाद डिस्कॉम्स द्वारा सोलर प्लांट स्थापित करने तथा पावर परचेज एग्रीमेंट करने से संबंधित पत्रावलियों का यथाशीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इससे जमीनी स्तर पर योजना को गति दी जा सकेगी।
सुश्री डोगरा शुक्रवार प्रातः राममंदिर ओल्ड पावर हाउस स्थित जयपुर डिस्कॉम के विभिन्न कार्यालयों एवं शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रही थीं। उन्होंने रेगुलेशन, प्रोजेक्ट, प्लानिंग एवं मॉनीटरिंग शाखाओं के निरीक्षण के दौरान कुसुम योजना से संबंधित पत्रावलियों का गहनता से अवलोकन किया। इन फाइलों को देख रहे अधिकारियों एवं कार्मिकों से की गई टिप्पणियों तथा फाइलों के मूवमेंट को लेकर सवाल किए और फोन के माध्यम से आवेदकों से बात भी की।
डिस्कॉम्स चेयरमैन ने कहा कि सोलर पावर जनरेटर से प्राप्त आवेदनों में कमियों को जांचने के लिए अधिकारियों के अलग-अलग स्तर होने से पत्रावलियों के निस्तारण में अधिक समय लगता है। उन्होंने अति. मुख्य अभियंता (पीपीएम) को निर्देश दिए कि एक डेस्क स्थापित करें जिसमें तकनीकी तथा लेखा शाखा से संबंधित अधिकारी एक ही स्थान पर बैठें और प्राप्त आवेदन की चेक लिस्ट के अनुसार उसी दिन जांच कर पाई गई कमियों की पूर्ति के लिए सोलर पावर जेनरेटर को उसी दिन अवगत कराएं।
सुश्री डोगरा ने कहा जिस भूमि पर प्लांट स्थापित किया जाना है उसके स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों की पूर्ति को लेकर तीनों डिस्कॉम्स में एकरूपता रखी जाए। इससे सोलर पावर जनरेटर्स तथा किसानों को भूमि के मालिकाना हक संबंधी दस्तावेज की पूर्ति के लिए बेवजह परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्लांटों की स्थापना और पावर परचेज एग्रीमेंट करने के काम में गति आएगी। साथ ही आवेदकों का संतुष्टि का स्तर बढ़ेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929